

भिलाई के डीके श्रीवास्तव को प्रतिष्ठित "क्वलिटी रत्न सम्मान", भुवनेश्वर क्वलिटी अधिवेशन में हुआ सम्मान

मुख्य अतिथि शशि शेखर मोहंती ने कहा कि भारत में क्वलिटी अवधारणाओं के प्रचार-प्रसार और उद्योग व शिक्षा जगत को एक मंच पर लाने में श्रीवास्तव की ऐतिहासिक भूमिका रही है

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

क्वलिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक एवं भिलाई के वरिष्ठ मार्गदर्शक डी.के. श्रीवास्तव को गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान के लिए प्रतिष्ठित "क्वलिटी रत्न सम्मान" से विभूषित किया गया है। यह सम्मान शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड (SOA) युनिवर्सिटी, फैक्स-2, भुवनेश्वर में आयोजित भुवनेश्वर क्वलिटी अधिवेशन के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में देश के प्रमुख औद्योगिक



छरानों के शीर्ष नेतृत्व और प्रख्यात शिक्षाविदों ने संयुक्त रूप से श्रीवास्तव को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पट्टिका भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान प्रदान करने वालों में एस्पायर मीन मेट के सीएमडी शशि शेखर मोहंती, टाटा पावर (एनओडीएल) के सीओओ डी.के. त्यागी, जिंदल स्टेनलेस जाजपुर के यूनिट हेड दीपक अग्रवाल, रडअ युनिवर्सिटी के सलाहकार समिति अध्यक्ष प्रो. डॉ. दामोदर आचार्य (पूर्व निदेशक IIT खड़गपुर), प्रो वाइस चांसलर डॉ. पी.के. पात्रा सहित अन्य शामिल रहे।



निर्णायक मंडल के सदस्य सत्यवान नायक ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। उन्होंने बताया कि श्रीवास्तव देश में क्वलिटी सर्कल आंदोलन के विकास और आधुनिकीकरण के मुख्य सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने भारतीय उद्योगों में लोन क्वलिटी सर्कल को अवधारणा को संस्थागत रूप दिया और एवं मानकों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश भर में 35 से अधिक QCFN चैप्टरों का विस्तार और एक दर्जन से अधिक देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही है। उन्होंने 'मिश्र वन लाख' और 'मिश्र वन मिलियन' के जरिए गुणवत्ता ट्रूल को एमएसएमई, स्वास्थ्य, शिक्षा तक पहुंचाया और दो लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया। श्रीवास्तव के नेतृत्व में QCFI ने अमेरिका के वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनिफन द्वारा प्रमाणित 4 विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं - एकल आयोजन में सबसे अधिक सहभागिता, 12 महीनों में सर्वाधिक फेकल्टी दिवस का आयोजन, क्वलिटी क्षेत्र में सर्वाधिक 10,243 आजीवन सदस्य और 5-रकॉलेस मैनेजमेंट के तहत सर्वाधिक 405 इकाइयों का प्रमाणिकरण। मुख्य अतिथि शशि शेखर मोहंती ने कहा कि भारत में क्वलिटी अवधारणाओं के प्रचार-प्रसार और उद्योग व शिक्षा जगत को एक मंच पर लाने में श्रीवास्तव की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सम्मान के बाद सभागार में मौजूद लोगों ने खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया।

खास खबर

एसएमएस-3 में सेफ्टी कैनोपी का शुभारंभ, गर्म पदार्थों व भारी वस्तुओं से मिलेगी अतिरिक्त सुरक्षा



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार की गई एसआरयू/बीओएफ सेफ्टी कैनोपी का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) विभुवन बैठा ने किया। इस्पात निर्माण प्रक्रिया के दौरान लैंडल फर्नेस (एलएफ) के रूफ/हुड पर स्लेग एवं धातु के जमाव को देखते हुए रखरखाव सहित अन्य कार्यों के दौरान कमचारियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की गई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए संयंत्र के आंतरिक संसाधनों एवं तकनीकी क्षमताओं का उपयोग कर मोबाइल सेफ्टी कैनोपी तैयार की गई है। यह कैनोपी ऊपर से गिरने वाले भारी पदार्थों तथा गर्म पदार्थों से कमचारियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगी। चार पहियों से युक्त मोबाइल कैनोपी को एलएफ लैंडल कार ट्रैक पर आसानी से संचालित किया जा सकता है। इसकी गतिशील संरचना के कारण दो कमचारी इसे आवश्यकतानुसार एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरित कर सकते हैं। इसकी बहुउपयोगिता के कारण एसआरयू, बीओएफ सहित अन्य कार्यस्थलों पर भी इसका उपयोग किया जा सकेगा। इस पहल के निर्माण एवं क्रियान्वयन में वरिष्ठ प्रबंधक (मैकेनिकल प्लानिंग) अभिकर्त झा का तकनीकी सहयोग एवं समन्वय महत्वपूर्ण रहा। शुभारंभ अवसर पर महाप्रबंधक (एसएमएस-3) अमरकान परनिहा एवं अजीत नारायण, उप महाप्रबंधक प्रभाव रॉय, वरिष्ठ प्रबंधक आशुतोष सिंह सहित एसआरयू के निचलिप्त कमचार्यों एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे। आंतरिक संसाधनों से विकसित यह सेफ्टी कैनोपी एसएमएस-3 में सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

किसानों को आधुनिक सुविधाएं देने पर दिया जोर

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित द्वारा एनपीडीडी 2026-27 के अंतर्गत नवीन दुग्ध समितियों के गठन एवं पंजीयन को प्रारंभ की समीक्षा हेतु रायपुर में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रबंध संचालक डॉ. एन. जयकृष्ण, डिप्टी एमडी डॉ. वैकत सामंत, प्रोडक्ट हेड के.बी. बेहरा और क्षेत्र संचालन शाखा मुख्या के.बी. प्रताप सहित समस्त कार्य पथवर्क उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक नई समितियां गठित कर दुग्ध संकलन बढ़ाने और किसानों की समीक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। पारदर्शिता लाने के लिए सभी समितियों में ऑटोमैटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम स्थापित करने पर चर्चा हुई, जिससे डिजिटल डेटा के आधार पर किसानों को समयबद्ध और सुगम भुगतान किया जा सके। किसानों को पशुपालन में मदद के लिए सैक्सिडी पर चाफ कटर, कैटल फीड व मिमरल मिक्सर उपलब्ध कराने और नए प्लांट स्थापित करने को संभावनाओं पर विचार किया गया। साथ ही देवभोग ब्रांड का विस्तार छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पूरी कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को बेहतर बाजार और आर्थिक मजबूती प्रदान करना है।

सौर ऊर्जा से समितियों का बिजली खर्च घटा, बैंक के हेड ऑफिस में हर माह 80-90 हजार की बचत

सहकारिता के साथ हरित ऊर्जा की ओर कदम



नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव अब किसानों को सेवाओं के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में भी नई मिसाल पेश कर रहा है। बैंक द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सोलर पैनल स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे बिजली बिल में बड़ी कटौती हो रही है। समितियों में 3 से 5 किलोवाट के पैनल - बैंक के कार्यक्षेत्र में अब तक 18 समितियों में 3 से 5 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जबकि 9 समितियों में स्थापना का काम जारी है। पहले समितियों को हर महीने 8 से 10 हजार रुपये बिजली बिल देना पड़ता था, अब सौर ऊर्जा से यह खर्च काफी कम हो गया है। बैंक की शाखाएं भी रोशन स्वयं के भवन में संचालित 7 शाखाओं में 5-5 किलोवाट के सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। इन शाखाओं का बिल पहले 10 से 15 हजार रुपये महीना आता था, अब इसमें बड़ी कमी आई है। प्रधान कार्यालय में 80 से 90 हजार की मासिक बचत



बारिश में फंसे 255 लोगों की जान बचाने वाले 23 एसडीआरएफ जवान सम्मानित

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

जिले में 25, 26 और 27 सितंबर को हुई भारी अतिवृष्टि के दौरान शिवनाथ और खारू नदियों सहित 30 स्थानीय नालों का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में जलभराव हो गया था। इस दौरान जोखिम भरी परिस्थितियों में फंसे 255 नागरिकों को सुरक्षित निकालने वाली एसडीआरएफ टीम के 23 जवानों को दुर्ग पुलिस ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। पुलिस के अनुसार बचाव अभियान थाना कुम्हारी क्षेत्र के ग्राम पाहंदा, परसदा, जगदीशबाड़ी, थाना अमलेश्वर क्षेत्र के ग्रीनस्ट कैलौनी और ग्राम खुरमुड़ा, थाना बोरी क्षेत्र के ग्राम दनिया, थाना पुलगांव क्षेत्र के ग्राम डांडेसरा सहित बेमतरा जिले के बेरला और अमलोडीहा क्षेत्र में चलाया गया था। टीम ने जलमग्न क्षेत्रों में पहुंचकर वृद्धजन, महिलाओं और छोटे बच्चों सहित 255 लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविरों तक पहुंचाया।



सूर्या ट्रेसर मॉल में पार्किंग शुल्क वसूली पर रोक की मांग

जन अधिकार परिषद ने भिलाई नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

भिलाई के सूर्या ट्रेसर मॉल में ग्राहकों से पार्किंग शुल्क वसूली जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। जन अधिकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरुण सिंह हिंसोदिया ने जिला कलेक्टर दुर्ग और नगर निगम भिलाई-दुर्ग आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पार्किंग शुल्क वसूली पर तत्काल रोक लगाने और मॉल प्रबंधन पर 20 लाख तक की दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वार्ड क्रमांक 3 स्थित सूर्या ट्रेसर मॉल एक व्यावसायिक परिसर है, जहां दुकानें और प्रतिष्ठान संचालित हैं। इसके बावजूद वहां आने वाले ग्राहकों से दोहरीया और चारपहिया वाहनों के लिए अलग से पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है। परिषद ने भवन निर्माण, पार्किंग नियमों



और उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि व्यावसायिक भवनों में पार्किंग व्यवस्था भवन स्वीकृति का हिस्सा होती है। ग्राहकों से अलग से शुल्क वसूलना अनुचित व्यापार व्यवहार और सेवा में कमी की श्रेणी में आता है।

विभिन्न हाईकोर्ट के फैसलों में भी इस पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां की गई हैं। 60 रुपये वसूली का आरोप अरुण सिंह हिंसोदिया ने बताया कि 4 अक्टूबर 2026 को स्वयं मौल जाने पर उनसे कार पार्किंग के लिए 60 रुपये लिए गए, जो नियमों के विपरीत है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि - पार्किंग वसूली की वैधानिकता की जांच हो, अवैध पाए जाने पर वसूली पर तत्काल रोक लगा, अब तक वसूले गए शुल्क का हिसाब लेकर उपभोक्ताओं को राशि वापस कराई जाए - GST और आयकर पहलुओं की भी जांच हो, दोषी पाए जाने पर 20 लाख तक जुर्माना लगाया जाए, हिंसोदिया ने कहा कि आम नागरिकों से अनधिकृत वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे।

एचएससीएल भिलाई में हिंदी पखवाड़े का समापन, विजेता सम्मानित

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, भिलाई में हिंदी पखवाड़े का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। शुभारंभ में सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आंचलिक प्रमुख निशोथ कान्ति दास ने अधिकारियों-कर्मचारियों को राजभाषा की शपथ दिलाई। इस दौरान अपर महाप्रबंधक सरोज जिब्रान खान और सलाहकार तकनीकी वीके शाह मौजूद रहे। पखवाड़े के दौरान संगोष्ठी, निबंध लेखन, पोस्ट कार्ड लेखन, राष्ट्रीय एकता मञ्चवृत्त होती है। शाह ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का उपयोग बढ़ाकर ही



समापन समारोह आंचलिक प्रमुख निशोथ कान्ति दास के मुख्य अतिथि और वीके शाह की अध्यक्षता में हुआ। दास ने कहा कि हिंदी को केवल पत्राचार तक सीमित न रखकर दैनिक कार्यों में अपनाने से काम सरल होता है और राष्ट्रीय एकता मञ्चवृत्त होती है। शाह ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का उपयोग बढ़ाकर ही

राजभाषा नीति को सशक्त बनाया जा सकता है। उप प्रबंधक वित्त अंकित अग्रवाल ने भी हिंदी के निरंतर उपयोग को जोर दिया। संचालन राजभाषा अधिकारी वंदना चौधरी ने किया। ये रहे विजेता - निबंध लेखन - प्रथम वर्षा मे.ब्राम, द्वितीय प्रदीप कुमार, तृतीय कपर् चन्द सोनी पोस्ट कार्ड लेखन - प्रथम अनुप कुमार मिश्रा, द्वितीय सुनील कुमार यादव, तृतीय रंजित को तिवारी प्रसन्नोत्री - प्रथम एस. शरत कुमार, द्वितीय देवेश लाहा, तृतीय प्रभु लाल समसरोह में परामर्शदाता आर्.टेम्परे, पीके ताम्रकार, एमके चट्ठाण, नवीन दीवान, अरुण तिवारी सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, गुरु बासीदास नगर में चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों को आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम संयोजक डॉ. सतिंदर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक डॉ. प्रदीप चौधरी, रायपुर संभाग संयोजक डॉ. अरुण खरे, भिलाई जिला सह-संयोजक डॉ. नविल शर्मा, डॉ. ज्योत्सना मिश्रा, डॉ. शेखर ताम्रकर सहित जिला मीडिया सह-प्रभारी डॉ. मंगलम, चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वैशाली नगर मंडल संयोजक के रूप में शिविर के आयोजन में तथा सह-संयोजक डॉ. आई.के. हिरवानी ने सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर वैशाली नगर मंडल अध्यक्ष शशि भगत, निखिल सोनी एवं पारस जांगड़े भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के हेड मास्टर पी.के. सिन्हा का विशेष सहयोग रहा।



सरकार आपके द्वार से गांव तक पहुंचीं शासकीय सेवाएं

आजीविका ऋण मेले में 908 प्रकरणों में 19.43 करोड़ रुपये प्रेषित, 537 प्रकरणों में 13.41 करोड़ रुपये की स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार के माध्यम से शासकीय योजनाओं और सेवाओं को नागरिकों के और करीब पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत सेमरा स्थित हाई स्कूल परिसर में विशेष सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के साथ पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया।

शिविर में आयोजित आजीविका ऋण मेले के माध्यम से ग्रामीणों एवं स्व-सहायता समूहों को

स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल की गई। मेले में 908 प्रकरणों में 19.43 करोड़ रुपये की राशि प्रेषित की गई। इसके साथ ही 537 प्रकरणों में 13.41 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई तथा 281 प्रकरणों में 7.90 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया गया। इससे ग्रामीणों और स्व-सहायता समूहों को अपनी आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग मिला।

एक ही स्थान पर योजनाओं की जानकारी और सेवाओं का लाभ

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को योजनाओं, पात्रता और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। विभिणीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों की



समस्याओं और आवश्यकताओं को सुना तथा पात्रतानुसार विभिन्न सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा ग्रामीणों से संवाद भी किया।

पीएम आवास की चाबी से आयुष्मान कार्ड तक, हितग्राहियों को मिली सहायता

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के साथ आयुष्मान कार्ड, वय वंदन योजना कार्ड, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, नैनो यूरिया और रोजगार कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का

लाभ प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्रदान और गोद भराई कार्यक्रम आयोजित कर मातृ एवं शिशु पोषण का संदेश दिया गया। हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं पोषण से संबंधित जानकारी भी दी गई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इससे सेवा अभियान-सरकार आपके द्वार के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं और आवश्यक मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

खास खबर

राज्यपाल श्री रमेन डेका से महाराजा कमल चंद्र भंज देव ने की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में बस्तर राज परिवार के माटी पुजारि एवं रथपति महाराजा श्री कमल चंद्र भंज देव ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को बस्तर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक दशहरा उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

राज्यपाल को भंज देव ने दशहरा उत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले महाराजा नलखाई एवं महाराजा बाहर रहनी कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बस्तर दशहरा की विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं तथा उत्सव के विभिन्न आयोजनों की जानकारी भी राज्यपाल को दी।

राज्यपाल श्री डेका ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ को समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसकी अनुटी परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

बस्तर दशहरा के प्रमुख आयोजनों में शामिल होने राज्यपाल को दिया आमंत्रण

राज्यपाल श्री डेका ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ को समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसकी अनुटी परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

बाल कल्याण परिषद को ई रिक्शा प्रदत्त

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा केचलामाई मानसिखियांग बाल गृह एवं विशेष विद्यालय शिक्षा का मॉडल में पढ़ने वाले बच्चों के आवागमन की सुविधा हेतु ई रिक्शा प्रदान किया। ई रिक्शा की चाबी सीपने के साथ ही श्री डेका ने हरी झंडी दिखाकर ई रिक्शा को लोकार्पण से रवाना किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव श्री चंद्रशेखर शाह, उपाध्यक्ष डॉ. कमल वर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव प्रकाश अग्रवाल एवं राजेंद्र कुमार निगम एवं इन्द्रसेन वर्मा उपस्थित रहे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सेनामणि बोरा ने आज विलासपुर के सकारी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों और कोनों में पीएम ई-बस सेवा के लिए निर्माणाधीन टर्मिनल एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं की प्रगति एवं निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों को कमियां दूर कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल और विलासपुर नगर निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने सकारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के एचपी घटक के तहत बनाए गए

सिंगापुर में छत्तीसगढ़ ने कौशल विकास के लिए किया एमओयू, एग्रो प्रोसेसिंग में 350 करोड़ का नया निवेश

उद्योगों की जरूरत के मुताबिक युवाओं को तैयार करने ITE Education Services के साथ समझौता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सिंगापुर यात्रा के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ ने कौशल विकास और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण देने के लिए सिंगापुर की ITE Education Services के साथ एमओयू किया गया। वहीं एगो एवं फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 350 करोड़ का नया निवेश प्रस्ताव भी मिला। इसके साथ ही सिंगापुर यात्रा में छत्तीसगढ़ को मिले एकडीआई निवेश प्रस्तावों की राशि बढ़कर 243,600 करोड़ हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालाकृष्णन से भी मुलाकात की। इसके अलावा दुनिया की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ निवेश और साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के नामांकन पर पहले Singapore-India Network for Growth (SING) Forum 2026 में भाग लिया है।

मुख्यमंत्री, विष्णु देव साय की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार और ITE Education Services, Singapore के बीच तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री और प्रतिनिधिमंडल ने कव्च कॉलेज का भ्रमण कर वहां के उद्योग आधारित प्रशिक्षण मॉडल को भी समझा।

सिंगापुर में Cisco, BYD AUsX Singapore Airlines जैसी बड़ी कंपनियों। ITE कॉलेजों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षण देने और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग करती हैं। इसी अनुभव का लाभ छत्तीसगढ़ में भी लिया जाएगा। इससे उद्योगों की जरूरत के मुताबिक पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षण को बेहतर प्रशिक्षण देने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री, साय ने कहा कि निवेश से उद्योग आते हैं और कुशल युवा उन उद्योगों की ताकत बनते हैं। सिंगापुर ने कौशल विकास का एक सफल मॉडल तैयार किया है। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को भी उद्योगों की जरूरत के मुताबिक आधुनिक प्रशिक्षण मिले और वे अपने प्रदेश में ही बेहतर करियर बना सकें। प्रदेश में आने वाले उद्योगों को उनकी जरूरत के अनुसार कुशल युवा यहीं मिलें।

किसानों की उपज को मिलेगा बड़ा बाजार

मुख्यमंत्री श्री साय ने सिंगापुर की Valency International Pte Ltd



को छत्तीसगढ़ में 350 करोड़ के निवेश का आमंत्रण दिया। 22 देशों में कारोबार करने वाली यह कंपनी प्रदेश में इंटीग्रेटेड एगो एवं फूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट हब स्थापित करेगी।

इस हब में काजू, तिल, दलहन और मूंगफली की प्रोसेसिंग की जाएगी। इससे किसानों की उपज का प्रदेश में ही मूल्य संवर्धन होगा, उन्हें नए बाजार मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

सिंगापुर के विदेश मंत्री से हुई मुलाकात

मुख्यमंत्री, साय ने सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की। दोनों के बीच छत्तीसगढ़ और सिंगापुर के बीच निवेश, कौशल विकास, शहरी नियोजन और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। सिंगापुर के अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के विकास में किस तरह लिया जा सकता है, इस पर भी विचार-विमर्श हुआ।

15 से अधिक वैश्विक कंपनियों के साथ निवेश पर चर्चा

सीईओ राउटेंडबल में मुख्यमंत्री, साय ने 15 से अधिक वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इनमें ऊइर, रटइड, रड्डर, रेड्डूइड, Aggrop, Indian OceOn Group AUsX Blue Aqua शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें छत्तीसगढ़ को निवेश-अनुकूल नौतियों, सुधारों और बेहतर कारोबारी वातावरण को जानकारी दी। बैठक में टेक्नोलॉजी, बैंकिंग, एग्रीबिजनेस, एक्वक्लचर और फूड सेक्टर में निवेश और साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने Global Finance & Technology Network (GFTN) के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। बैठक में GFTN के ग्रुप सीईओ, Sopnendu Mohanty, इंडिया, एशिया, जापान एवं अरबअठ के सीईओ, James Boey और चीफ ऑफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, Anthony Thomas सहित उनकी टीम शामिल हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के युवाओं को अक और डिजिटल फाइनेंस में प्रशिक्षण देने, प्रदेश के स्टार्टअप को वैश्विक निवेशकों से जोड़ने और नई तकनीकों के लिए टेक लैब स्थापित करने में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

इन महत्वपूर्ण समझौतों और बैठकों के साथ मुख्यमंत्री, विष्णु देव साय की सिंगापुर यात्रा संपन्न हुई। इस यात्रा ने निवेश के साथ-साथ कौशल, तकनीक और वैश्विक साझेदारी के एन अवसर छत्तीसगढ़ के लिए खोले हैं। प्रतिनिधिमंडल 7 अक्टूबर को रायपुर लौटगा।

सोनमणि बोरा ने ई-बस सेवा के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सेनामणि बोरा ने आज विलासपुर के सकारी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों और कोनों में पीएम ई-बस सेवा के लिए निर्माणाधीन टर्मिनल एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं की प्रगति एवं निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों को कमियां दूर कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल और विलासपुर नगर निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने सकारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के एचपी घटक के तहत बनाए गए

आवासों के निरीक्षण के दौरान फ्लोर पर टाइलिंग नहीं लगे होने और फिनिशिंग कार्य अधूरा मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के इंजीनियरों तथा निर्माण एजेंसियों को कमियों में तत्काल सुधार करते हुए फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने किचन और प्लेटफॉर्म के आकार को लेकर भी अधिकारियों से सवाल-जवाब किए तथा निर्माण में उपयोग की गई सामग्री एवं अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली।

श्री बोरा ने आवासीय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने, लोगों के बैठने के लिए कुंडियां लगाने और बच्चों के लिए खेल क्षेत्र विकसित करने को कहा। प्रमुख सचिव ने शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए 15 दिनों



बाद प्रगति की पुनः समीक्षा करने की बात कही। सकारी में करीब 11 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से 261 आवास तैयार किए गए हैं, जिनमें अंतिम चरण के फिनिशिंग कार्य शेष हैं। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कोनी स्थित सिटी बस डिपो पहुंचकर पीएम ई-बस सेवा के तहत निर्माणाधीन टर्मिनल काम्प्लेक्स, सब-स्टेशन एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बसों के लिए बनाए गए स्टॉप को व्यवस्थित करने और वहां डिस्पले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को बसों के समय एवं आवागमन जानकारी आसानी से मिल सके।

पीएम ई-बस सेवा के तहत विलासपुर में 50 वातानुसूलित इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इनमें 9 मीटर की 35 और 7 मीटर की 15 बसें शामिल हैं। इन

बसों का संचालन शहर के 12 मार्गों पर किया जाएगा। मार्ग निर्धारण में स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र, पर्यटन स्थल तथा उच्च न्यायालय तक आवागमन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

ई-बसों के संचालन के लिए कोनी स्थित सिटी बस डिपो में टर्मिनल काम्प्लेक्स, सब-स्टेशन एवं चार्जिंग स्टेशन के निर्माण के लिए 11 करोड़ 45 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें सिविल अधीनस्थान निर्माण के लिए 8 करोड़ 37 लाख रुपये, सब-स्टेशन के लिए 1 करोड़ 59 लाख रुपये तथा उच्च दारब विद्युत कनेक्शन के लिए 1 करोड़ 49 लाख रुपये का प्रावधान है। वातमान में सिविल अधीनस्थान निर्माण का लगभग 70 प्रतिशत और सब-स्टेशन निर्माण का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

सेवा संकल्प के तहत नुक्कड़ नाटक से दिखाई प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों की यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत रायगढ़ जिले के शासकीय महाविद्यालय घरघोड़ा की ओर से आज जयसंस्थ चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा और देश के प्रति उनके योगदान को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से संस्था।

नुक्कड़ नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की प्रभावी संवाद और अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने राहगीरों और स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

जयसंस्थ चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने रुचि के साथ नुक्कड़ नाटक देखा और विद्यार्थियों की प्रस्तुति का उदासहर्षवर्धन किया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकार और जनभागीवारी का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सहायक कलेक्टर गोकुल अरुण, सचिव संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।



रंगोली के जरिए साकार हुआ डिजिटल इंडिया का विजन

रंगों और दीपों में दिखी डिजिटल भारत की तस्वीर, कनेक्टिविटी से ई-गवर्नेंस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर के रणजीता स्टैडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के विजन को आकर्षक रंगोली के माध्यम से साकार किया गया। रंगों और रचनात्मकता के अनूठे संगम से तैयार इस विशाल रंगोली में डिजिटल तकनीकों के जरिए सशक्त, आत्मनिर्भर और आधुनिक भारत की परिकल्पना को कलात्मक रूप से उकेरा गया। डिजिटल कनेक्टिविटी और ई-गवर्नेंस के साथ ही भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश भी रंगोली का विशेष आकर्षण रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने रणजीता स्टैडियम पहुंचकर रंगोली का अवलोकन किया और इसके चारों ओर दीप प्रज्वलित कर अपनी सहभागिता निभाई। लोगों की रेशमी से सजगता रंगोली ने डिजिटल भारत की बदलती तस्वीरों को और आकर्षक बना दिया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमनो भगत भी उपस्थित रही।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने देश में विकास और सुशासन को नई गति दी है। तकनीक के विस्तार से आज शासन की सेवाएं नागरिकों की पहुंच में आई हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग सहित अनेक क्षेत्रों में सुविधाएं अधिक सहज और सुलभ हुई हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी केवल तकनीकी प्रगति का माध्यम नहीं, बल्कि देश के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की एक सशक्त कड़ी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का डिजिटल इंडिया का विजन आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रंगोली में दिखी डिजिटल भारत की पूरी तस्वीर

रंगोली के मध्य में हृदयित डिजिटल इंडिया का



संदेश प्रमुखता से उकेरा गया। इसके ऊपर बनाया गया वाई-फाई का प्रतीक देश में बढ़ती डिजिटल कनेक्टिविटी और इंटरनेट की पहुंच को प्रदर्शित करता है। कंप्यूटर और क्लाउड तकनीकों के चित्रों के माध्यम से डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन जानकारी और आधुनिक तकनीकी संसाधनों को

दर्शाया गया, जबकि मोबाइल फोन और सरकारी भवन के चित्रों ने ई-गवर्नेंस तथा नागरिकों तक डिजिटल माध्यम से पहुंचती शासकीय सेवाओं की तस्वीर प्रस्तुत की।

रंगोली में भारत के मानचित्र को दोनों हाथों से धाम धरित्र के माध्यम से तकनीकों से सशक्त होते भारत और प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की भावना को अभिव्यक्त किया गया। मानचित्र के भीतर विभिन्न रंगों में बनाई गई डिजिटल लाइनें देश के अलग-अलग हिस्सों को तकनीक और सेवा के माध्यम से आपस में जोड़ने का प्रतीक बनीं।

इसके साथ ही हरी पतियों और पौधों की आकृति के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि आधुनिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रंगोली के नीचे अंकित कनेक्टिविटी इंडिया, स्ट्रॉंगर इंडिया का संदेश डिजिटल रूप से जुड़े नागरिकों के माध्यम से

सशक्त भारत के निर्माण की परिकल्पना को सामने रखा। रंगोली के चारों ओर प्रज्वलित दीप भारतीय प्रतीक, ज्ञान, प्रकाश और सकारात्मकता के प्रतीक बने। रंगों और दीपों के इस अनूठे संगम ने डिजिटल जागरूकता की रेशमी से डिजिटल दूरी को कम कर नए अवसरों की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

रणजीता स्टैडियम में तैयार इस रंगोली के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी, तकनीकी सशक्तिकरण, ई-गवर्नेंस, सुशासन, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को एक ही कलाकृति में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भागत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाधर भागत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।



संपादकीय

क्या योगी बनना आसान है ?

डॉ. कृष्णा चौधरी, योग गुरु एवं कांडसलर



भारतीय संस्कृति का मूल ही योग है। हमारी रीति-रिवाज, खानपान, नृत्य, आश्रम व्यवस्था, संस्कार, देवी-देवताओं को मुद्राएं और पूजन विधियां – सभी में योग समाहित है। प्रश्न यह उठता है कि क्या हम योगी बन पाएंगे ? उत्तर है –

योग को समझना ही योगी बनना है।

योग को नियमावली का पालन करना आसान नहीं है। यदि हम अपने जीवनशैली को क्रमबद्ध

तरिके से बाँटकर चलें, आश्रमों के नियमों का पालन करें और हर कार्य समय पर करें, तो ही योगी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। अर्थात् संपूर्ण जीवन को अलग-अलग हिस्सों में बाँटकर अनुशासन के साथ जीना ही योग है।

पतंजलि और गीता में योग की परिभाषा

महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र में कहा है –

योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः। (समाधिपाद 1.2)

अर्थात् चित्तवृत्तियों को रोकना ही योग है।

ततः स्थिति रश्चः ३ः प्रथमः। (समाधिपाद 1.13)

अर्थात् उन वृत्तियों को रोकने के लिए चार-चार अभ्यास करना आवश्यक है।

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्णा कहते हैं –

अनाश्रितः कर्मफलं कार्यं कर्म करोति यः।

स संन्यासी स च योगी च न निरग्रमनं चाक्रियः। (गीता 6/1)

जो व्यक्ति कर्मफल का आश्रय न लेकर केवल कर्तव्य कर्म करता है, वही सच्चा संन्यासी और योगी है। केवल अंगि का त्याग करने से कोई संन्यासी नहीं बनता और केवल क्रियाओं का त्याग करने से कोई योगी नहीं बनता।

इसी प्रकार गीता में ही कहा गया है – समस्त योग उच्यते (2.48) और योगः कर्मणु कोशलतः (2.50)।

निष्कर्ष यह है कि योगी बनना अत्यंत कठिन भी नहीं और सरल भी नहीं। यदि सजजता से, पूर्ण एकग्रता के साथ कर्तव्य कर्म किया जाए तो योगी बनना आसान है। योग से ही निरोगी काया प्राप्त होती है।

योग के पूर्व आवश्यक नियम

योग प्रारंभ करने से पूर्व कुछ नियमों का क्रमबद्ध पालन आवश्यक है –

1. श्वास-प्रश्वास को क्रिया मुक्तिलि रहें।

2. अभ्यास और शारीरिक संपालन में परिव्रतता रहें।

3. मन पर नियंत्रण अव्रिता ध्याान की स्थिति बने।

4. आहार-ह्रिहार और भोजन चक्र संयमित हो।

5. समय का सही निर्धारण हो।

6. सकारात्मक सोच हो।

7. प्राण वायु को अधिक से अधिक ग्रहण किया जाए।

8. संपूर्ण मन से एकग्रता व अनुशासन रखते हुए आध्यात्मिक अनुभव और समाधि की ओर बढ़ा जाए।

9. बाह्य तत्वों का अनुसरण करते हुए मन को एकग्र कर शरीर को स्वस्थ किया जाए।

योग के प्रमुख प्रकार

1. कर्मयोग –निष्काम भाव से किया गया कर्म ही कर्मयोग है। गीता का कर्म करो फल को प्रति मत करो ही इसका मूल मंत्र है।

2. भक्तियोग – ईश्वर के प्रति संपूर्ण समर्पण भाव ही भक्तियोग है, चाहे वह निर्गुण हो या सगुण।

3. राजयोग –इसमें योगी मन को वश में कर प्राणों पर विजय प्राप्त करता है। इसमें अष्टांग योग के आठों अंगों का संपूर्ण भाव होता है।

पतंजलि ने इसे सुगम बनाया है – यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान और समाधि। पतंजलि योगदर्शन के बाद पाद हैं। –साधिपाद, साधनपाद, विभूतिपाद और कैवल्यपाद। देशबन्धस्थित्य धारणा।। (3.1) अर्थात् किसी विशेष स्थान पर मन को स्थिर रखना ही धारणा है।

4. ज्ञानयोग – विना ज्ञान के योग और बिना योग के ज्ञान दोनों अधूरे हैं। अपनी आत्मा में बसे ईश्वर का साक्षात्कार करना ही ज्ञानयोग है।

5. ध्यानयोग –यह अत्यंत महत्वपूर्ण साधना है। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को ध्यानयोग का उपदेश देते हुए कहा है –

शुचौ देशे प्रतिष्ठाप्य स्थिरमासनमात्मनः।

नात्युच्छ्रित् नातिनीचं चैतान्जिनकुशोत्तरम्।

तत्रैकाग्रं मनः कृत्वा यचित्तोद्विग्नक्रियः।

उपविशत्यनेन युयुधथायामान्व्यस्यदुष्यहै। (गीता 6/11-12)

6. हठयोग – हठमें मुनि और गोरखनाथ ने इसकी व्याख्या मुद्रा, षट्कर्म और योगासनों के आधार पर की है। उनके अनुसार हठयोग बिना गुरु के निश्च के संभव नहीं है।

7. नादयोग – ध्वनि को दोनों कानों से सुनकर चित्त में लय पैदा करना नादयोग है। इसके सात प्रकार हैं– सुरगियोग, त्रित्रियोग, रस्ययोग, गंधयोग, घर्षराग्योग, आनंदयोग और प्रेमयोग, जिसमें योगी मतवाला होकर समाधि में लीन हो जाता है।

8. कुण्डलिनरी योग –इसमें कुण्डलिनी शक्ति को जागृत करना विशेष उपलब्धि है, जिससे सभी चक्र जागृत हो जाते हैं।

क्रम	स्थान	चक्र
1	गुदास्थान मेंमूलाधार	चक्र
2	जवनट्रिज्य में	बाधिशान चक्र
3	नाभि में	मणिपूर चक्र
4	हृदय में	नाहत चक्र
5	कटकूप में	विशुद्धि चक्र
6	धुकुटी में	आज्ञा चक्र
7	कपालत्रिज्य में	सहसार चक्र

संपादकीय

दुर्ग, बुधवार 07 अक्टूबर 2026

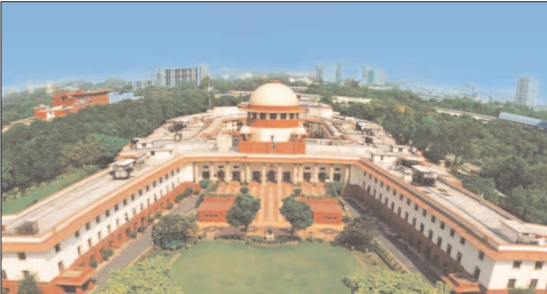
4

लोकतंत्र में सबको अपनी बात,अपनी राय रखने का अधिकार होता है

सुनील दास

देश में लोकतंत्र है,लोकतंत्र में सबको अपनी बात,अपनी राय रखने का अधिकार होता है,सब हर मामले पर अपनी अपनी राय रखते हैं और इससे तो यह पता चलता है कि देश में लोकतंत्र है और वह मजबूत है।इससे तो वे लोग झुटे साबित होते हैं जो आए दिन कहते रहते हैं कि देश में लोकतंत्र नहीं है, देश के संविधान को खतरा है। देश में अधोचित आपातकाल लगा हुआ है।कोई सुप्रीम कोर्ट का जज है और वह किसी मामले में अपनी राय रख रहा है तो यह उसका अधिकार है।यह समझने की जरूरत है कि किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट के जजों के बीच अलग अलग राय हो सकती है।यहां यह समझने की जरूरत है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच में जो फैसला दिया है,अहम वह फैसला होता है, उस फैसले पर कोई अपनी अलग राय रख सकता है बिना यह कहे कि सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है वह गलत है।यानी सुप्रीम कोर्ट के जजों का किसी विषय में कोई फैसला है तो वह अलग है और उस पर किसी जज ने कुछ कहा है वह कथन अलग है,वह राय अलग है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एसआईआर की प्रक्रिया को लगातार सही ठहराता रहा है औ ?इसे चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार बताता रहा है तो कोई सुप्रीम कोर्ट का जज जब किसी सौजनिक कार्यक्रम में चुनाव आयोग पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए एक तरह से शोषित अदालत की सवालों के कठघरे में खड़ा करते हुए कहता है कि कोई भी ऐसी प्रक्रिया जो लाखों भारतीयों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करती है,वह मूलरूप से मनमानी व संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है,इसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता तो यह साफ हो जाता है कि वह फैसले को गलत नहीं कह रहा है वह फैसले पर अपनी राय रख रहा है, यानी वह कोई फैसला नहीं कर



रहा है क्योंकि फैसला करना उसका अधिकार नहीं है, किसी फैसले पर अपनी राय रखना उसका अधिकार है।

इसी तरह जब कोई सुप्रीम कोर्ट का जज यह कहता है कि भारतीय संविधान नागरिकों को दो वर्गों में बांटता नहीं है।एक वर्ग जिसके पास वोट देने का अधिकार है और दूसरा वर्ग जिसके पास वोट देने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के जज उज्जवल भुषण जब ऐसा कहते हैं तो समझा तो जा सकता है कि वह एसआईआर के बारे में बोल रहे हैं एसआईआर के बारे में उनका अपना लाजिक हो सकता है कि एसआईआर देश के नागरिकों को दो भागों में बांटने वाला है लेकिन यह सच नहीं है क्योंकि एसआईआर से यह तय होता है कि वैध,पात्र वोटर कोई है,यानी शुध्द मतदाता सूची बनाने का काम है एसआईआर। क्योंकि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है की भी वैध मतदाता है, वह वोट डाले।एक भी ऐसा व्यक्ति वोट न डाल सके जिसे वोट डालने का अधिकार नहीं है।देश में ऐसी कोई भी प्रक्रिया नहीं है जो करोड़ों भारतीयों को वोट के अधिकार से

वंचित करती हो,देश में ऐसी कोई भी प्रक्रिया नहीं है जो देश में अपने नागरिकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाती है।अगर ऐसा हो रहा होता तो क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसा होने देता।

देश में सुप्रीम कोर्ट है इसलिए ऐसा होने की कोई आशंका नहीं है,जिनका आशंका है वह अपने दुराग्रह के कारण है, निगेटिव सोचने के कारण।किसी राजनीतिक दल, किसी विचारधारा का विरोधी होने के कारण है।यह तो सबको पता है कि कुछ राजनीतिक दल,गैर राजनीतिक दल और उनके नेता चुनाव हारने के कारण चुनाव आयोग को महज आरोप लगाकर गलत साबित करने का प्रयास कर रहे हैं,सुप्रीम कोर्ट में वह बार बार गलत साबित हुए हैं क्योंकि चुनाव आयोग का गलत साबित करने के लिए वह कोई सबूत ही पेश नहीं कर पाए हैं। आरोपों के जरिए, बयानों के जरिए चुनाव आयोग को बार बार गलत साबित करने का प्रयास जारी है।इस तरह तो चुनाव आयोग को गलत साबित नहीं किया जा सकता। अब तक तो साबित नहीं किया जा सकता, किसी सुप्रीम कोर्ट के जज के एक बयान देने से न तो

राहुल गांधी ही गठबंधन के सर्वमन्य नेता

इंडिया गठबंध की बैठक का एक ही मकसद था कि गठबंधन के तमाम नेताओं का यह संदेश देना कि राहुल गांधी ही गठबंधन के सर्वमन्य नेता है।वह गठबंधन की त ?फ से पीएम पद के सबसे योग्य दावेदार है।कांग्रेस की तरफ से कोणिकाश तो पहले भी की जाती रही है,संसद के भीतर व बाहर कांग्रेस ऐसा करने में सफल भी रही है लेकिन संसद के बाहर कांग्रेस ऐसा करने में सफल नहीं हो रही है, अब जब बिहार के बाद बंगाल में ममता भी चुनाव हार गई है कि विपक्ष में राहुल गांधी का विरोध करने वाला कोई बड़ा नेता बचा नहीं है।जब तक चुनाव नहीं हारे थे तो गठबंधन के भीतर कभी शरद पवार,कभी अरविंद केजरीवाल,कभी ममता बैनर्जी राहुल गांधी का गठबंधन का नेता मानने से इंकार कर देते थे,उनकी कमी खाली को बता दिया करते थे।दिल्ली,महाराष्ट्र,बिहार,बंगाल,तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों के चुनाव हारने से अब इंडिया गठबंधन में कोई बड़ा नेता नहीं बचा है तो राहुल गांधी का विरोध कर सके राहुल गांधी की तरह सब पीएम मोदी या भाजपा से चुनाव हारें हुए नेता है।अब तक ममता ही राहुल गांधी का गठबंधन के नेता के तौर पर सबसे ज्यादा विरोध करती थी,लेकिन उनके चुनाव हार जाने व पाटी के टूट जाने के बाद से उनका राजनीतिक कद देना को राजनीति में घट गया है और उन्होंने भी बैठक में मान लिया है कि अब राहुल गांधी ही गठबंधन के सबसे बड़े व योग्य नेता हैं।बैठक में ममता बैनर्जी के यह कहने से कि सबसे पहले राहुल गांधी व तेजस्वी ने बिहार में वोट चोरी होने की बात कही थी।इससे पहले भाजपा ने हरियाणा,महाराष्ट्र आदि जगह वोट चोर कर सकारा बनाई, बंगाल में तो वोट की लूट की गई है।यानी अब ममता भी बंदी बोल रही है तो राहुल गांधी अब तक कहते आए हैं।

बैठक में अखिलेश यादव,शरद पवार,रमंत सोरेन, उद्धव ठाकरे जैसे नेता नहीं आए।इससे साफ हो गया है कि ममता भले राहुल गांधी की अपन नेता माना लें कि नेता अभी भी राहुल गांधी को मन से नेता मानने को तैयार नहीं है।उद्धव ठाकरे ने तो वचुअस बैठक में शामिल होकर साफ कर दिया कि कांग्रेस की एकला चलो की नीति ठीक नहीं है।यह सच भी है बैठक के पहले गठबंधन



के तमाम दल और कांग्रेस राज्यों में एसआईआर, चुनाव आयोग के मुद्दे पर अलग अलग प्रदर्शन करते रहे हैं। कांग्रेस ने अकेले गठबंधपी विरोध प्रदर्शन करके देख लिया कि वह अकेले पीएम मोदी, भाजपा व चुनाव आयोग के खिलाफ माहौल नहीं बना सकती तो उसने गठबंधन के दलों को साथ लेने का फैसला किया।गठबंधन की बैठक कांग्रेस ही बुलाती रही है,इससे पहले इसी साल जून में गठबंधन की बैठक बुलाई गई थी, उसके बाद अब बुलाई गई है जब कांग्रेस को लगा कि पीएम मोदी व भाजपा, चुनाव आयोग के खिलाफ वह अकेले कुछ नहीं कर सकती।कांग्रेस महीनों से वोट चोरी का गला अपाल रही है लेकिन चुनाव में इसका कोई असर नहीं हुआ है।कई चुनाव हो गए और जनता ने कांग्रेस के वोटचोरी के आरोप को गंभीरता से लिया ही नहीं।कांग्रेस को लगता है कि जब तक यह गठबंधन का बड़ा मुद्दा नहीं बनेगा, इसे इनके लिए जगह और तारीखें जल्द ही तय कर ली जाएंगी।

1 नवंबर को दिव्ही में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी।इतना यह कहना खास गौरतलब है कि अब हर कोई

हूई है और न ही कांग्रेस के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है।यही वजह है कि आपने साल होने वाले चुनाव के पहले कांग्रेस गठबंधन के साथ मिलकर माहौल बनाया चाहती है।इसीलिए गठबंधन की बैठक में एकजुट होकर आने वाले दिनों में पीएम मोदी, भाजपा के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला किया गया है।विपक्षी दलों की बैठक में १९ घटक दलों के नेता शामिल हुए।इंडिया खड़ुंगे न कहा कि इंडिया ब्लॉक के सदस्य 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक ष्ट ऑफिसों के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे और 6 अक्टूबर को विपक्ष के सभी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे।निषेधी नेता अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में चुनाव हो गए और जनता ने कांग्रेस के वोटचोरी के आरोप को गंभीरता से लिया ही नहीं।कांग्रेस को लगता है कि जब तक यह गठबंधन का बड़ा मुद्दा नहीं बननेगा, इसे इनके लिए जगह और तारीखें जल्द ही तय कर ली जाएंगी।

1 नवंबर को दिव्ही में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी।इतना यह कहना खास गौरतलब है कि अब हर कोई

मानता है कि राहुल जी और दीदी 'वोट चोरी' के बारे में जो कहते थे, वह सही था।।इसके जारिए खरगे और कांग्रेस ने यह बयाने की कोशिश की कि राहुल गांधी ही विपक्ष के एकमात्र ऐसे नेता है जो सच कह रहे थे और इस पर विपक्ष के लोग भी यकीन नहीं कर रहे हैं।अब इस पर ममता सहित विपक्ष भी यकीन कर रहा है।इससे यह साबित होता है कि राहुल गांधी जो कहते हैं, वह सही होता है।यह सही कहते हैं इसलिए वही गठबंधन से सबसे योग्य नेता है।इसके अलावा खरगे ने बताया कि विपक्ष की छह मांगे क्या है।विपक्ष की छह मांगें हैं-आगामी चुनाव में ईवीएम के बजाय केवल मतपत्र से मतदान कराया जाए,सभी क्षेत्रों के पहले केवल पूर्व एसआईआर मतदाता सूची का उपयोग किया जाए,मतदाता सूची के हर एक संशोधन में पूरी पारदर्शिता हो,किसी भी वय मतदाता का नाम सूची से हटाने से पहले उसे उचित नोटिस,कारण और एक प्रसावी अपीलतहत उपलब्ध कराया जाए,प्रशासनिक विफलता या जागरूकता की कमी के कारण पात्र मतदाताओं को मताधिकार वंचित होने से बचाया जाए।

लघु कहानी

बड़ के पेड़ के नीचे बड़ा सा चबूतरा था और उस चबूतरा पर हमेशा की तरह चांडाल चौकीड़ी लगाए चार मित्र विराजमान थे-महेरा, शान्तनु, सरलेश्वर और अनिल।व्यारी ही दित काटी रोटी वाली दोलती आना पिंडजा वर्गर के जमाने में भी निभार रहे थे।आज भी शाम को निश्चित समय पर वे चबूतरा पर इकट्ठे हुए थे।जब भी इन चारों में से कोई एक, किसी भी काम के गोबि आता तो वह अन्य तीनों की भी बुला ही लेता था।व्यातचित्त के दौरान अजनक ही महेरा ने पूछ लिया, तुम तीनों आज एक बात बताओ, तुम्हें सबसे अधिक बुरा किसी के व्यवहार में क्या लगता है।शान्तनु ने आश्चर्य से महेरा को देखते हुए पूछा, क्यों भई, बॉय ने कोई सवे करने कहा है क्या ? और वह सुनते ही महेरा के साथ साथ सभी हंस दिने।नहीं नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।मेरे ही मन को उजड़ है कि क्यों न, जो हम बुरा लगता है, वह कम से कम हम चारों के व्यवहार में न हो।तुम ही बताओ अनिल, महेरा ने अनित की तरफ देखते हुए कहा, तुम्हें सबसे अधिक बुरा किसी व्यक्ति का कैसा व्यवहार लगता है ? अनिल ने मुस्कुराते हुए कहा, थोड़ा देना।तभी दोलती ने हमारी भरी मंसे भी तो तार रहा हम चारों कभी भी अपने जीवन काल में किसी को भी थोड़ा नहीं देने मान्नु।अब तुम बताओ,महेरा ने शान्तनु से पूछा।झुट से मुझे सख्त नफरत



हैं।तभी अनिल बोल पड़ा, मतलब तुम कभी झुट नहीं बोलते शान्तनु।हाँ, नहीं बोलता।बाल झुट, यहाँ आते वक़्त ही आँफिर में झुट बोलकर आया है कि चाचा के देहांत में जा रहा है, जिस चाचाजी को स्वर्ग सिधारे दस साल बीत गए हैं।और अरे,अब बस करो अनिल, शान्तनु की क्वास मत लो, महेरा ने यह करते हुए सरलेश्वर से पूछा अच्छा अब तुम बताओ,सरलेश्वर सरलेश्वर तपाक से बोल पड़ा, मुझे

मैं से नफरत है, मैंने ये किया, मैंने वो किया,अब देख लो मुझे हूँ, मैं अपनी कम्पनी का र्सी.ई.ओ.हूँ, और न जाने कितनी ही संस्थाओं का प्रेसिडेंट हूँ, चाईस प्रेसिडेंट या सेक्रेटरी हूँ, कितने ही लोगों और संस्थाओं ने मुझे सम्मानित किया है, पूरा एक कम्परा भरा है तोफ़रों और सम्मानों से, तुम सब ने देखा ही है, मगर मैंने कभी कहा क्या तुम लोगों से कि मैं कितना सम्मानित हुआ, कितनी जगह प्रेजिडेंट

हूँ।इसलिए मुझे जो लोग मैं-मैं करते हैं न, उनका यह व्यवहार बहुत बुरा लगता है।इस बार महेरा ही तुमने बोला, मगर सरलेश्वर इतनी देर से तुम और कर क्या रहे थे, मैं प्रेसिडेंट, मैं सी.ई.ओ, मेरा सम्मान,मेरा सम्मानों से भरा कम्परा...।महेरा की बात सुन सरलेश्वर झेंप गया और सभी दोस्त ठहका लगाते लगे।महेरा ने पार गंभीर स्वर में कहा कि बुराई जो हमको दिखती है न वह हममें भी होती है, और दोस्त के अलावा यदि कोई अन्य व्यक्ति दिखाए तो वह दुश्मन लगता है।मुझे क्या बुरा लगता है दूसरों में उसे न बताकर मैं अपनी बात बताता हूँ।मुझमें भी एक बुराई है, सुद्ध देर तक सोने की, और जब-जब मैं अपने बेटे को कहता हूँ कि सुबह जल्दी ब्रह्ममं में जागा करो, अच्छा होता है सुबह जगना, तो उसका मुस्कुराना चुभता है।मुझे।।यार महेरा हम सब में तू ही बस सच्चा धार्मिक निकला यार,इतना कहते हुए सरलेश्वर ने महेरा को गले से लगाया हो था कि शान्तनु और अनिल भी उनसे लिपट गए।



शुवि "भवि" उपन्यासकार – कवयित्री

कविता का कोना

अर्थ तभी है

जब अधीधारे जीवन-पथ पर,
आशा का दीपक जलता हो,
तब संघर्षों के हर क्षण का,
जीवन में सच्चा अर्थ वहीं।

जब सुखी धरती की प्यारों को,
समय पर का साथ मिले,
तब सावन की पहली बुँदों का,
मन में मधुरिभ अर्थ वहीं।

जब दुःख की गहरी रातों में,
कोई अपना हाथ थाम ले,
तब रिसतों की उस गममाहत का,
जीवन में सुंदर अर्थ वहीं।

जब छोटों-छोटों सुखियों को,
हम हँसकर जानें सखी सखें,
तब बड़े सुखों की चाहत का,
जब जीवन में हो म प्रसन्न,
तब धन-धन को सुविधाओं का,
जीवन में उज्जवल अर्थ वहीं।



जब मानव मानव के दुख में,
सच्चे मन से सहभागी हो,
तब इस सुंदर मानवता का,
धरती पर अनुपम अर्थ वहीं।



अमृता मिश्रा अध्यापिका दिल्ली पब्लिक स्कूल, फ़िलाई

इंदिरा गांधी प्रतिमा के पास लगने वाले पसररे अब उतई चौक के समीप निर्धारित स्थान पर लगेंगे

व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर मंगलवार को निगम के मोतीलाल वोरा सभागार में बैठक आयोजित की गई

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र के प्रमुख बाजार इंदिरा मार्केट की व्यवस्थाओं, यातायात व्यवस्था और व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर मंगलवार को निगम के मोतीलाल वोरा सभागार में बैठक आयोजित की गई। महापौर अलका बाघमार ने कमिश्नर लीना कोसम एवं सभापति ख्याम शर्मा की उपस्थिति में इंदिरा मार्केट के व्यापारियों से चर्चा कर बाजार की मौजूदा स्थिति और समस्याओं को जानकारी ली। बैठक में महापौर ने व्यापारियों से बाड़ी-बाड़ी चर्चा करते हुए दुकानों की स्थिति, यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण, स्वच्छता सहित विभिन्न विषयों पर सुझाव लिए। इस दौरान इंदिरा मार्केट की कुछ दुकानों के जर्जर होने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य को लेकर भी चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि जिन दुकानों में मरम्मत की

आवश्यकता है, वहां नियमानुसार आवश्यक मरम्मत कार्य व्यापारी अपने स्तर पर स्वयं के व्यय से कराने को लेकर निर्णय लें, ताकि दुकानों की स्थिति बेहतर हो सके और व्यापारियों को परेशानी का सामना न करना महापौर अलका बाघमार ने इंदिरा मार्केट में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापारियों से सुझाव मांगे। व्यापारियों ने बाजार की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए अपने सुझाव दिए। महापौर ने कहा कि व्यापारियों और निगम प्रशासन के सम्बन्ध में इंदिरा मार्केट की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा तथा समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

त्वारीही सौजन को देखते हुए महापौर ने निगम अधिकारियों को विशेष रूप से बाजार की यातायात एवं अतिक्रमण व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार में



खरीदारों के लिए आने वाले नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अतिक्रमण विभाग को सड़क किनारे किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाने की

कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

इंदिरा गांधी प्रतिमा के आसपास, मान होटल क्षेत्र, फूल मार्केट, गांधी चौक सहित पूरे बाजार क्षेत्र में सड़क एवं आवागमन क्षेत्र में पसरा

लागरक व्यवसाय करने वालों तथा दुकानों का सामान बाहर निकालकर व्यवसाय करने वाले दुकानद्वारा पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश महापौर ने दिए।

महापौर ने इंदिरा गांधी प्रतिमा के पास पसरा लगाने वाले व्यापारियों की व्यवस्था को लेकर बाजार विभाग को निर्देशित किया कि त्वारीही सौजन को देखते हुए उन्हें नगर निगम कार्यालय के सामने उतई चौक के समीप उपलब्ध रिक्त स्थान पर व्यवस्थित रूप से स्थान दिया जाए। इससे मुख्य बाजार क्षेत्र में आवागमन बाधित नहीं होगा और पसरा लगाने वाले व्यापारियों को भी व्यवसाय के लिए उचित स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

महापौर अलका बाघमार ने व्यापारियों से बाजार की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यापारी अपनी दुकान का कचरा डस्टबिन में

रखे तथा कचरा एकत्रित होने पर उसे नगर निगम की कचरा संग्रहण गाड़ी ही सौंपे। उन्होंने कहा कि बाजार की स्वच्छ और व्यवस्थित रखना निगम प्रशासन के साथ-साथ व्यापारियों एवं आम नागरिकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल, हथिका संभव जैन, राशि साहू, लीलाधर पाल, रंजीता पाटिल, जितेंद्र महाविद्या, खालिक रिजवी, कायपोलन अभिनव विनीता वर्मा, कायपोलन अभिनव मोहम्मद सिद्दीकी, राजस्व अधिकारी आरके बोरकर, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गाश गुप्ता, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में इंदिरा मार्केट के व्यापारी उपस्थित रहे।

खास खबर

प्रदेश में निजी कॉलेजों की मनमानी फीस पर रोक, अब AFRC तय करेगा शुल्क

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में निजी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का शुल्क निर्धारण प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति अख्तर, रायपुर के माध्यम से होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इसका उद्देश्य शुल्क में एकरूपता, निष्पक्षता और पारदर्शिता लाना है।

जारी निर्देश के मुख्य बिंदु

- कार्डसिलिंग पर रोक - जिन संस्थानों ने AFRC से शुल्क निर्धारण नहीं कराया है, उन्हें राज्य की कार्डसिलिंग और प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।
- शपथ-पत्र पर सशर्त अनुमति - जिन संस्थानों ने AFRC में आवेदन किया है और प्रक्रिया लांबित है, उन्हें शपथ-पत्र देने के बाद ही प्रवेश को अनुमति मिलेगी। ऐसे संस्थानों को संभावित शुल्क विभागीय पॉर्टल पर दिखाना अनिवार्य होगा।
- वेबसाइट पर शुल्क सार्वजनिक करना अनिवार्य - AFRC द्वारा फीस तय होने के बाद संस्थानों को अपनी वेबसाइट और लिभागीय पोर्टल पर शुल्क की जानकारी अपलोड करनी होगी, ताकि छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को सही जानकारी मिल सके।
- अतिरिक्त वसूली पर रोक - वेबसाइट पर प्रदर्शित शुल्क के अलावा किसी भी प्रकार की अतिरिक्त या अनधिकृत राशि नहीं ली जा सकेगी। इसके साथ ही 25 अगस्त 2026 को वैदिक के निर्णय अनुसार छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2005 की धारा 36(8)(ख) में परंतुक जोड़ने का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। विभाग ने कहा है कि नियमों का उद्देश्य करने वाले संस्थानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पाटन और अहिंवारा में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण हेतु शासकीय भूमि आबंटित

दुर्ग। जिले में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरीय निकायों के सुव्यवस्थित विकास को गति देने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने नगर पंचायत पाटन तथा नगर पालिका परिषद अहिंवारा में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) के निर्माण प्रयोजनार्थ शासकीय भूमि आवंटन के आदेश जारी कर दिए हैं। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ शासन के राज्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग के दिशा-निर्देशों एवं राज्यस्तरीय निर्माण 4-1 की कंडिका 26 के प्रावधानों के तहत एक रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में भेजा जाएगा जाने के फलस्वरूप यह आवंटन बिना भू-मालिक प्रदान किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, नगर पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पाटन (पटवारी हल्का नंबर 38) स्थित खसरा नंबर 315 की 0.50 हेक्टेयर (अर्थात 53,820.00 वर्गफीट) शासकीय भूमि एसटीपी निर्माण के लिए आबंटित की गई है। वहीं, नगर पालिका परिषद अहिंवारा अंतर्गत ग्राम बाननर (पटवारी हल्का नंबर 06) स्थित खसरा नंबर 1243 के कुल रकबा 3.10 हेक्टेयर में से 0.40 हेक्टेयर (अर्थात 43,058.00 वर्गफीट) शासकीय भूमि एसटीपी निर्माण हेतु आबंटित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आबंटित भूमि का उपयोग केवल निर्धारित जनउपयोगी एवं सार्वजनिक कार्य हेतु ही किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, भूमि का विक्रम पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा निर्माण के दौरान नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के प्रावधानों, लोकबाधा रहित संचालन, स्वास्थ्य सुरक्षा, सुविधा एवं पर्यावरण संरक्षण के मानकों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

नई तकनीक से खिलाड़ियों की बैटिंग, रिएक्शन टाइम और तकनीकी कौशल को मिलेगा बढ़ावा

प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को राज्य के भीतर ही उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है-अग्रवाल

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) की दुर्ग जिला इकाई के जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा खिलाड़ियों को आधुनिक एवं उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पं. रविशंकर शुक्ल स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी में आधुनिक ऑटोमैटिक बॉलिंग मशीन सहित अत्याधुनिक ट्रेनिंग उपकरणों को शामिल किया गया है। इससे दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ के सीनियर एवं जूनियर खिलाड़ियों को अपनी तकनीक और खेल कौशल निखारने का अवसर मिलेगा। अकादमी में ऑटोमैटिक बॉलिंग मशीन, ऑटोमैटिक फीडर, ब्लूटूथ तकनीक के माध्यम से स्पीड एवं रिविंग कंट्रोल तथा विभिन्न फिटनेस उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन आधुनिक संसाधनों का उपयोग सीनियर, अंडर-19, अंडर-16, अंडर-14 एवं कैप में शामिल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को बैटिंग तकनीक, रिएक्शन टाइम, शॉट सिलेक्शन और स्मग खेल कोशिल में सुधार करने में मदद मिलेगी।

आधुनिक बॉलिंग मशीन सुविधा का उद्घाटन एक समारोह में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने मशीन में गेंद डालकर किया। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि अकादमी का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को राज्य के भीतर ही उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। आधुनिक संसाधनों के माध्यम से खिलाड़ियों को



प्रोफेशनल स्तर की तैयारी का अवसर मिलेगा और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उपाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि दुर्ग क्रिकेट अकादमी कई वर्षों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण देने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार करने का कार्य कर रही है। आधुनिक ट्रेनिंग उपकरणों की उपलब्धता इसी प्रयास को और मजबूती प्रदान करेगी। सचिव प्रमोद पाखर ने कहा कि नई सुविधाओं का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी नियमित प्रैक्टिस में किसी प्रकार की बाधा न आए और वे उच्चस्तरीय क्रिकेट के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। सह सचिव आशीष सूर्यवंशी ने कहा कि अकादमी में

अनुशासन, लगन और निष्ठा के साथ प्रशिक्षण पर जोर दिया जाता है। खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास, फिटनेस और तकनीकी विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। कोषाध्यक्ष सुरेश साहू ने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए सीएससीएस रायपुर, जनप्रतिनिधियों, अतिथियों, अभिभावकों, कोचों, खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से अकादमी में खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। निर्देश में यह महत्वपूर्ण कदम संभव हो सका है। बॉलिंग मशीन के उद्घाटन अवसर पर एसोसिएशन के कोच गुरमीत भोगल, भारत सोनी, रवि कुमार, मो. रिजवान सहित सीनियर-जूनियर खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम का चरित्र मर्यादा और कर्तव्य का पाठ पढ़ता है - अनिला भेंडिया

मंगलतराई व आमाडूला में आयोजित रामायण कार्यक्रम में विधायक अनिला भेंडिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं

नई दृष्टिविंदु / डीडी

भगवान श्रीराम का चरित्र से विकट सिखाता है कि विकट से हमें प्रस्थिति में भी आने कर्तव्य और मर्यादा का त्याग नहीं करना चाहिए। उक्त बातें डीडीलोहारा विधायक

अनिला भेंडिया ने ग्राम मंगलतराई और आमाडूला में आयोजित रामायण कार्यक्रम में कही। आदिवासी बाहुल्य विकासखंड डीडी के वनांचल मंगलतराई व आमाडूला में आयोजित रामायण कार्यक्रम में विधायक अनिला भेंडिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि रामायण हमें सिखाता है कि धर्म व सत्य के मार्ग पर चलने वाले की अंततः विजय होती है। हमें माता-पिता का सम्मान और भाइयों के प्रेम व परिवारिक एकता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने नररात्रि व



दशरथ की अंतिम बुधकामनाएं देते हुए माता रानी से गांव में सु-शान्ति और भाईचारे की कामना की। मंगलतराई में ग्रामीणों ने रामायण स्थल पर सीसी रोड निर्माण की मांग की, जिस पर विधायक ने अपनी निधि से 10 लाख रुपये की घोषणा कर भूमिपूजन किया। वहीं आमाडूला में ग्रामीणों की मांग पर डोमरोड निर्माण की घोषणा कर भूमिपूजन किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजयराज बारला, विधायक प्रतिनिधि पंचूष सोनी, जनपद सदस्य पुनीत राम सोन, जिला महामंत्री कोमेश कोराम, पूर्व जनपद अध्यक्ष बवंती दुग्गा, जिला सचिव कैलाश रामपू सहित संप्रपंच, पंच व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कार्रवाई

फल ठेले और सड़क किनारे खड़े ट्रकों पर कार्रवाई, बीएसपी कमचारियों को भी दी समझाइश

फॉररेस्ट एवेन्यू रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ संयुक्त अभियान

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

बोरिया गेट से जेपी सीमेंट चौक सेक्टर-4 तक फॉररेस्ट एवेन्यू रोड पर अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ सोमवार को भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग के प्रवर्तन अनुभाग और भिलाई यातायात पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। शाम 5 से 6.30 बजे तक चले अभियान में फल ठेला विक्रेताओं और ट्रक चालकों को सड़क किनारे अनधिकृत रूप से स्थान घेरने तथा वाहन खड़े करने से बचने की समझाइश दी गई।

अभियान का उद्देश्य सड़क पर प्रदूषण और सुचारु यातायात सुनिश्चित करने के साथ सड़क किनारे के क्षेत्रों को अतिक्रमण



मुक्त रखना था। टीम ने फल विक्रेताओं को सड़क किनारे व्यवसाय करने से होने वाली

यातायात संबंधी परेशानियों से अवगत कराया। ट्रक चालकों को भी सड़क किनारे वाहन खड़ा कर

आवागमन बाधित नहीं करने के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान सामान्य पाली समाप्त होने

के बाद कुछ बीएसपी कमचारियों द्वारा भी सड़क किनारे वाहन खड़े किए जाने की स्थिति सामने आई। कमचारियों को भी सड़क पर वाहन पार्क नहीं करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की समझाइश दी गई। संबंधित वाहनों के नंबर अभिलेख के लिए दर्ज किए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

संयुक्त टीम ने क्षेत्र में अतिक्रमण को पुनरावृत्ति रोकने और सड़क को अवरोधमुक्त बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी जारी रखने की बात कही है। अधिकारियों के अनुसार आगे भी समय-समय पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

सेवा संकल्प शिविर में पहुंची सरकारी सेवाएं, वार्ड 31 से 40 तक के नागरिकों ने लिया योजनाओं का लाभ

नई दृष्टिविंदु / भिलाई-तीन



नगर निगम भिलाई-चौदा प्रशासन की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को वार्ड क्रमांक 38 सोमनो स्थित सामुदायिक भवन में सेवा संकल्प शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड क्रमांक 31 से 40 तक के नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। शिविर में स्वच्छता एवं सभ्यता से संबंधित विषयों के साथ नागरिकों की विभिन्न मांगों और शिकायतों से जुड़े आवेदन भी प्राप्त किए गए। निगम एवं संबंधित विभागों के कमचारी अलग-अलग काउंटरों पर मौजूद रहे। उन्होंने नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आवेदन की प्रक्रिया में आवश्यक

सहयोग किया। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लिया और अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। प्रत्युक्ति में प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। निगम प्रशासन के अनुसार सेवा संकल्प अभियान का

उद्देश्य शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का यथासंभव मौकै पर निराकरण करना है। ऐसे शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।



रजनीकांत और सूर्या के लिए धनुष ने उठाया बड़ा कदम

अभिनेता धनुष की बहुप्रतिष्ठित फिल्म 'ओम: चैप्टर 1' की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। एक्टर ने यह जानकारी सौथल मीडिया पर अपने फैंस के साथ साझा की।

फिल्म 'ओम: चैप्टर 1' की रिलीज डेट के बारे में धनुष ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'ऐसे समय में, किसी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है। हमारे सुपरस्टार रजनीकांत सर, जिन्हें हम वर्षों से अपना आदर्श और पूजनीय मानते आए हैं, उनकी फिल्म 15 अक्टूबर को रिलीज हो रही है, जो हमारी फिल्म से ठीक एक दिन पहले है। उनके प्रति अपार सम्मान के कारण, हमने अपनी फिल्म 'ओम' की रिलीज को आगे की तारीख तक स्थगित करने का निर्णय लिया है।'

दिवानी पर भी नहीं होगी रिलीज
आगे धनुष ने अपनी पोस्ट के बारे में बताया, 'इसके साथ ही, हम इस साल दिवाली पर भी नहीं आ रहे हैं, क्योंकि सूर्या सर की फिल्म उसी तारीख को रिलीज होने वाली है। ईमानदारी से कहें तो, उन्होंने अपनी रिलीज की तारीख पहले घोषित की थी, और हमारा दृढ़ विश्वास है कि बड़ी फिल्मों को आपसी समझ रखनी चाहिए और फिल्म इंडस्ट्री को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के फैसलों का सम्मान करना चाहिए। हम अपनी नई रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित करेंगे।'

फिल्म 'ओम' की स्टार कास्ट
फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी ने किया है। फिल्म में धनुष और ममूटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इन स्टार्स के अलावा साईं धल्लवी, श्रीलीला और दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म से अभिनेता धनुष और राजकुमार पेरियासामी दूसरी बार किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए साथ आएंगे। इससे पहले राजकुमार पेरियासामी को फिल्म 'अमरन' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है।



एक्टिंग में डार्कसाइड किरदार निभाना आसान नहीं

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को दर्शकों का अच्छा रैस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभिनय के पेशे में सबसे ज्यादा क्या आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा और थिएटर दोनों में अभिनय की सबसे खास बात अलग-अलग किरदारों को जीने और उनकी भावनाओं को पढ़े पर सच्चाई के साथ पेश करने का मौका मिलना है। यही चीज उन्हें इस पेशे से सबसे ज्यादा जुड़ाव महसूस कराती है। उन्होंने कहा कि अभिनय केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोगों की कहानियों और भावनाओं को दर्शकों तक पहुंचाने का एक प्रभावशाली तरीका भी है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह प्रोफेशन इसलिए पसंद है, क्योंकि यह एक्टरों को अपने डार्क साइड को अपनाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है वे आपको न बताएं कि हम आपको अपने डार्क साइड के बारे में क्यों बताएं? यह बहुत प्राइवेट बात है। यह बहुत पर्सनल बात है। ये सभी रोल, जिनमें इतने सारे ग्रे शेड्स हैं, इतनी सारी परतें हैं, उन्हें निभाना आसान नहीं है। अगर मैं खुद को समझने या जानने की प्रक्रिया में नहीं हूँ, तो मैं उस किरदार को नहीं समझ सकता जिसे मैं निभा रहा हूँ।'



फातिमा सना शेख ने 'हुंकार: द रोअर' में पुलिसवाले का किरदार निभाने पर की बात

फातिमा सना शेख ने हमेशा खुद को फेमिनिस्ट कहने से परहेज नहीं किया है। 'हुंकार: द रोअर' में एक जांबाज पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली फातिमा ने उस शब्द को लेकर खुलकर बात की, जिसे इंडस्ट्री में आज भी कई लोग कहने से बचते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा जोनस का भी जिक्र किया, जिन्होंने हमेशा इस शब्द को खुलकर अपनाया है। फातिमा कहती हैं, 'फेमिनिज्म को बहुत से लोग एक बुरे शब्द की तरह देखते हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ एक्ट्रेसस खुद को फेमिनिस्ट नहीं कहती। फेमिनिस्ट होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी पुरुष के अधिकार छीन रही हूँ। मैं तो सिर्फ अपने लिए बराबरी के अधिकार मांग रही हूँ।' वह प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि खुद को फेमिनिस्ट कहने से दर्शकों का ध्यान कम नहीं होता। 'प्रियंका चोपड़ा खुद को फेमिनिस्ट कहती हैं और उनकी बहुत बड़ी मेहनत फैल फॉलोइंग है। अगर आपकी

नीयत साफ है और आप इस बात को सही तरीके से रखते हैं, तो लोग आपकी बात जरूर सुनेंगे।' जियोहॉटस्टार की इस सीरीज में फातिमा एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रही हैं, जो एक ऐसे मामले की जांच करती है, जिसमें अनीत पट्टा द्वारा निभाया गया एक नाबालिग लड़की का किरदार एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाता है। फातिमा इसे अपने करियर के सबसे शानदार और सीख देने वाले अनुभवों में से एक मानती हैं। उनके मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की खास बात यह रही कि मेकअप ने उन्हें हमेशा बराबरी का दर्जा दिया और उनकी राय को महत्व दिया। बिरला स्टूडियोज और अल्लो एंटरटेनमेंट ने पंपल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्म्स के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है। करण डी कपाड़िया और नित्या मेहरा के निर्देशन में बनी 'हुंकार: द रोअर' जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।



तेलुगु इंडस्ट्री में काम कर भावुक हुए राघव जुयाल

डांसर से एक्टर बने राघव जुयाल ने करियर में कई तरह के पड़ाव देखे हैं। डांस रियलिटी शो से पहचान बनाने के बाद उन्होंने टीवी होस्ट के तौर पर अलग जगह बनाई और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। अब राघव अपने करियर का एक और नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। वह पहली बार तेलुगु सिनेमा में नजर आने वाले हैं और इस सफर में उन्हें काफी कुछ नया सीखने का मौका दिया है। उन्हें तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका काफी पसंद आया। राघव नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आ रहे हैं। राघव इसमें विक्रम मलिक का किरदार निभा रहे हैं। तेलुगु इंडस्ट्री में पहली बार काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए राघव ने कहा, 'मैंने वहां सिनेमा को लेकर एक अलग ही जुनून देखा। वहां लोग सिर्फ एक प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि इस सिनेमा को सेलिब्रेट करते हैं।' राघव ने कहा, 'इस फिल्म के दौरान मैंने एक ऐसी चीज महसूस की, जिसे मैं अपने काम

में भी शामिल करना चाहता हूँ। तेलुगु इंडस्ट्री में लोग सिनेमा की बहुत इज्जत करते हैं। खास तौर पर फिल्म के हर टेक्नीशियन को मिलने वाला सम्मान देखकर मैं भावुक हो गया। एक पल ऐसा आया कि मेरी आंखों में आंसू आ गए, जब मैंने देखा कि वहां फिल्म के साउंड इंजीनियर तक को उतनी ही अहमियत दी जाती है, जितनी किसी बड़े कलाकार को।' राघव ने कहा, 'वहां दर्शक भी फिल्म से जुड़े लोगों को पहचानते हैं। दर्शकों को पता होता है कि साउंड इंजीनियर कौन हैं। मेरे लिए यह अनुभव काफी खास था, क्योंकि इससे मुझे समझ आया कि फिल्म सिर्फ हीरो या हीरोइन की वजह से नहीं बनती, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का योगदान होता है। वहां लोग सेट पर केवल अपना काम खत्म करने के इरादे से नहीं आते। वह सिनेमा को सेलिब्रेट करने के लिए आते हैं। यही वह चीज है जो मैंने तेलुगु इंडस्ट्री से सीखी और अब मैं चाहता हूँ कि मेरे काम में भी यह सोच दिखाई दे।'



कमबैक नहीं बल्कि सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार

टीवी की दुनिया में अपनी एक्टिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मि देसाई एक बार फिर छोटें पढ़े पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयानी' में नजर आएंगी। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक और टीवी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पढ़े पर लौटने का मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं। 'सयानी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, 'शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रिवेट कल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया क्योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थी। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिस निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।' रश्मि ने कहा, 'मैं टीवी पर कमबैक नहीं दूँ रही थीं, मैं किसी मकसद की तलाश में थीं। शो के प्रोड्यूसर सरयुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं।

इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है। शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह दिग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, 'सानवी बहुत ध्यान करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा। वह अपने लिए और सही बात के लिए खड़े होने की हिम्मत रखती है। वह अपने वादे भी निभाती है, भले ही ऐसा करने के लिए उसे खुद किसी मुश्किल का सामना क्यों न करना पड़े।'



गोविंदा के मामले पर क्या बोले अनुपम खेर निजी जीवन पर दिया यह बड़ा सुझाव

अभिनेता अनुपम खेर और गोविंदा ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। एक बातचीत के दौरान अनुपम ने एक्टर की निजी जिंदगी के बारे में काफी कुछ कहा है। इसके अलावा गोविंदा के अभिनय की तारीफ की।

गोविंदा पर क्या बोले अनुपम?
बोते दिनों गोविंदा के व्यक्तित्व जीवन में चल रही मुश्किलें चर्चा का विषय रही हैं। अब इस पर फरीदून शहरयार से हुई बातचीत में अनुपम ने कहा, 'मैं गोविंदा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ। मुझे लगता है कि वह उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। मैंने उनके साथ 10-12 फिल्मों की हैं। अभिनय, नृत्य और अभिनय में कोई भी उनका मुकाबला नहीं कर सकता।'

निजी जीवन पर कही यह बात
आगे अपनी बातचीत में अनुपम खेर ने कहा, 'आपको अपने निजी जीवन या अपनी आदतों को अपने पूरे जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मुझे उस पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। वह अपनी जिंदगी को बेहतर जानता है और वह इससे निपट सकता है।'

वह बोला कॉल बैक करेगा
आगे अनुपम ने कहा, 'मैंने उसे एक बार फोन किया था और उसने कहा कि वह मुझे वापस कॉल करेगा। मैं उसे यह कहना चाहता था कि यह समय की बात जाएगा। हर किसी के जीवन में दुखद घटनाएं होती हैं। मुझे नहीं लगता कि समस्या यह है कि उसे खुद को माफ़ करना नहीं आता। मुझे लगता है कि वह अपने आपवास के माहौल और अपने जीवन से उलझ गया है, लेकिन उसने अभी तक हार

नहीं मानी है, इसलिए उम्मीद बाकी है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि वह फिर से उठ खड़ा हो और जिना का काम कर रहा है उससे कहीं ज्यादा काम करे।' **रानी को लेकर सुनीता और गोविंदा में तनाव**
जुलाई में गोविंदा ने रानी को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' में नई सह-कलाकार के रूप में मीडिया के सामने पेश किया। उसके बाद कुछ समय पहले वह रानी के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे। इस पर उनकी पत्नी सुनीता ने मीडिया के सामने नराजगी जताई थी। उन्होंने कहा, 'ये कहवत सुना है कभी, 'दिवाना काले विपरीत बुद्धि' उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है इसलिए ये सब करता है वो, मैं इस बारे में क्या कहूँ?' **सुनीता और गोविंदा की शादी और विवाद**
गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी।

कपल के दो बच्चे हैं, टीना और यशवर्धन आहूजा। हाल के महीनों में दोनों के तलाक की अर्जी की खबरों ने काफी सुर्खियां बंटोरी थीं। इसी बीच गोविंदा के रानी स्वर्णकार के साथ संबंधों को लेकर भी अटकलें लगाई गईं। हालांकि गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने अभिनेता की दूसरी शादी के दावों से इनकार किया है।



आपके बाल चुकाते हैं हेयर वॉश से जुड़ी इन गलतियों की कीमत



निकल जाती हैं।

इस तरह करें शैंपू

बालों को शैंपू करते समय कभी भी उसे जोर-जोर से न रगड़ें। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। आप बालों को वॉश करने के लिए हमेशा अपनी उंगलियों के अग्र भाग का इस्तेमाल करें। साथ ही जब भी शैंपू करें तो उसे सीधे ही बालों पर अट्पाई न करें। बेहतर होगा कि आप पानी में शैंपू खलकर उस पानी से बालों को वॉश करें। इससे शैंपू के केमिकल माइलड हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त शैंपू का चयन भी सही तरह से करें। आजकल मार्केट में कई तरह के शैंपू अवेलेबल हैं। आप अपने बालों की प्रकृति के हिसाब से ही शैंपू का चुनाव करें और उसे इस्तेमाल करें।

कंडीशनर भी है जरूरी

बालों को वॉश करना सिर्फ शैंपू करने तक ही सीमित नहीं है। बालों की कंडीशनिंग भी उतनी ही अहम है। इससे आपके बालों को एक स्मूद लुक मिलता है। लेकिन बालों की कंडीशनिंग करते समय हमेशा याद रखें कि आप इसे अपनी स्कैल्प पर इस्तेमाल न करें। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और आपके बाल तेजी से टूटने लगते हैं। साथ ही कंडीशनर का इस्तेमाल करने के बाद उसे 3-

4 से मिनट तक अवश्य रखें और फिर हेयर वॉश करें। हेयर वॉश भी बेहतर तरीके से करें ताकि उसमें कंडीशनर न रह जाए।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

जब आप हेड वॉश करें तो अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। ठंडे पानी के कारण आपके पोर्स बंद हो जाते हैं और फिर बाहर की गंदगी उसमें नहीं आती। जहां हेड वॉश की शुरुआत में हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल किया जाता है ताकि पोर्स ओपन हो जाए और सारी गंदगी अच्छी तरह निकल जाए। वहीं अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

ऐसे सुखाएं बाल

कुछ लोग इस स्टेप को जरूरी नहीं समझते। जबकि वास्तव में यह भी उतना ही जरूरी होता है। हेड वॉश के बाद कभी भी बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर का प्रयोग न करें। इस दौरान आपके बाल काफी कमजोर होते हैं और हेयर ड्रायर आपके बालों को रूखा बना सकता है। बेहतर होगा कि आप तौलिया की मदद से अपने बालों को झाड़कर अतिरिक्त पानी सुखाएं या फिर कुछ देर के लिए अपने बालों को तौलियामें लपेटकर रखें। अंत में बालों को खुद ही सुखने दें।



आज के समय में हर व्यक्ति को बालों से जुड़ी किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे बात हेयर फॉल की, बालों के सफेद होने की समस्या या फिर रूसी की। अमूमन लोग इसके लिए भागदौड़ भरी जिन्दगी, तनाव व गलत खान-पान को ही जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका गलत तरीके से बालों को धोना भी उसे प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि आप बालों को सही तरह से धोएं। तो चलिए जानते हैं बालों को धोते समय होने वाली गलतियों के बारे में-

जरूरी है ऑयलिंग

अमूमन लोग शैंपू करने को ही हेयर वॉश करने का पहला स्टेप मानते हैं, जबकि यह बेहद आवश्यक है कि आप शैंपू करने से दो-तीन घंटे पहले ऑयलिंग अवश्य करें। कभी-कभी हेयर वॉश के दौरान शैंपू के कारण आपके बालों का प्राकृतिक तेल भी निकल जाता है, जिससे आपके बाल रूखे-रूखे नजर आते हैं, लेकिन अगर आप ऑयलिंग करते हैं तो यह आपके बालों के तेल को मॉटेन रखेगा। साथ ही ऑयलिंग से आपके बालों को पोषण व मजबूती मिलती है। जिसके कारण आपको बालों के झड़ने, रूसी व उनके असमय सफेद होने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

बालों को करें ब्रश

हेयर वॉश से पहले बालों को ब्रश करना भी काफी जरूरी होता है। इसके लिए आप चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके सिर में ब्लड सर्कुलेशन तो बेहतर होता है ही, साथ ही आपके सिर के पोर्स भी ओपनअप हो जाते हैं, जिसके कारण शैंपू के दौरान सारी गंदगी आसानी से

रात की बची सब्जी से बनाएं स्वादिष्ट



भारतीय घरों में खाना बिना सब्जी के पुरा नहीं होता लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है कि रात में बनाई हुई सब्जी पूरी खत्म हो जाये। ऐसे में समस्या यह उत्पन्न होती है कि उस बची हुई सब्जी को कोई भी खाने के लिए तैयार नहीं होता और उसे फेंक कर खराब नहीं किया जा सकता। अब इस परेशानी से निपटने का एक सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे नर अंदजन में पेश किया जाए। शायद आपको पता न हो कि सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं, बल्कि उसका प्रेजेंटेशन भी लोगों को आकर्षित करता है। तो आइए जानते हैं रात की बची हुई सब्जियों को नर तरीके से पेश करने की कुछ अद्भुत तरीक़ों के बारे में-

पराटे की पेशकश : अगर आपने रात में सुखी सब्जी बनाई थी तो उसे आप सुबह के समय बतौर पराटे की स्टीफिंग बनाकर तैयार कर सकते हैं और नाश्ते की तैयारी कर सकते हैं। अगर आपके घर में नाश्ते में पराटे नहीं खाते तो उसी सब्जी को ब्रेड के बीच में भरकर वेजीटेबल सैंडविच बनाना भी एक अच्छा आईडिया हो सकता है। सैंडविच में आप चाहें तो चीज का इस्तेमाल भी करें। इस तरह आप पराटे या बतौर सैंडविच आलू, बीन्स, गोभी, मटर, गाजर व पत्तरी की भुजी से एक बेहद स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी सब्जी सूखी हुई नहीं है तो भी आप सब्जियों के पानी को सुखाकर एक ड्राई स्टीफिंग तैयार कर सकते हैं। साथ ही सब्जियों के पत्तेवर को बढने के लिए आप बारिक कटे प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया आदि का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

कटलेट : रात की बची हुई सब्जी से कटलेट बनाने के लिए आपको सबसे पहले सब्जी करी या ग्रेवी को ड्राई करना होगा। ग्रेवी को ड्राई करने के लिए आप उसमें चीज और ब्रेड क्रम्स मिला दें। इससे आपके कटलेट और भी अधिक क्रिस्पी व स्वादिष्ट बनेंगे। अब सब्जी, चीज और ब्रेड क्रम्स को अच्छे से मिक्स करें व उनसे कुछ छोटी-छोटी बाल्स तैयार कर लें। अब उसे अपना मनपसंद आकार दें। अब एक पैन में ऑयल गर्म करें व कटलेट को फ्राई करें। आपके मॉर्निंग कटलेट तैयार हैं। इसे कैचअप के साथ सर्व करें।

सूप : आपकी सब्जी चाहे जो भी हो, उसे सूप के रूप में पेश करके आप सबका दिल खुश कर सकते हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले लहसुन को कुछ हल्का सा भूनना है। फिर बची हुई सब्जी से वेजीटेबल स्टॉक बना लें। अब इस स्टॉक को अपने पैन में खलकर उबाल आने दें। आप बाद में अपने स्वादानुसार इसमें नमक, काली मिर्च व हरा धनिया आदि भी मिक्स कर सकते हैं।

रोल्स व रैप : अगर आपको सुबह के समय जल्दी है तो बेहतर होगा कि आप अपनी रात की बची हुई सब्जी से रैप बना लें। यह आपकी बोरिंग सी रोटी को तो मजेदार बनाएगा ही, साथ ही जल्दी के कारण आप इसे रास्ते में भी खा सकते हैं या बच्चों के लंच में पैक कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आप अपनी पालक पत्तरी, आलू मटर या बैंगन का भात जैसी सब्जियों को अपनी रोटी के बीच में भरकर एक स्वादिष्ट रोल तैयार करें।

चना पास्ता : अक्सर घरों में शाम के समय खेले या चने बनेते हैं, लेकिन उन चनों को सुबह नाश्ते में खाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आप नचे हुए चनों से चना पास्ता तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले किसी भी तरह के पास्ता को लेकर उसे पैक पर लिखे निर्देशों के अनुसार पका लें। अब एक भात तली वाली कड़ही में चना डालें व अपने स्वादानुसार इसमें कुछ मसाले भी मिलाएं। यह चना आपके पास्ते का बेस होगा। अब पास्ता को भी इसी कड़ही में खलकर अच्छी तरह टॉस करें। आपका चना पास्ता तैयार है। आप सर्व करते समय इसमें कटा हुआ हरा धनिया में खल सकते हैं।

जिनको पर्यटक बड़े ही चाव से खाते हैं। कसौली में सबसे ऊंची जगह है, मंकी प्वाइंट। यहां से प्रकृति की दूर-दूर तक फैली अनुपम छटा दिखाई पड़ती है। मंकी प्वाइंट तथा दूसरी ओर गिलनट पहाड़ी पर लोग सुबह-शाम टहलने निकलते हैं। इन दोनों जगहों पर पिकनिक मनाने वालों की हमेशा भीड़ लगी रहती है। कसौली की अच्छी आबोहवा के चलते यहां पर श्रव रोगियों के लिए सेन्टेरियम बनाया गया है। यहां एक चर्च है जिसमें पुराने जमाने के विभिन्न प्रकार के बूंदीदार रंगीन ग्लास वाले दरवाजे तथा खिड़कियां लगी हुई हैं, जो देखते ही बनती हैं। कसौली क्लब तथा प्राइवेट होटलों के अलावा हिमाचल पर्यटक विभाग ने भी यहां एक होटल बनवाया है जहां पर्यटकों की भीड़ हमेशा लोगों का ध्यान आकृष्ट किये रहती है। सर्दियों के मौसम में होटल के बाहर भी लंच परोसा जाता है जिसे लोग वादियों का नजारा लेते हुए आपस में हिलमिलकर बड़े चाव से खाते हैं।

वेज नूडल्स

जरूरी सामग्री : नूडल्स-एक पैक (200 ग्राम), सब्जियां बारीक कटीहुई गाजर -1, शिमला मिर्च-1, पत्ता गोभी-1 छोटी, तेल या मक्खन-2 टेबल स्पून,नमक-एक छोटी चम्मच (स्वादानुसार),काली मिर्च-एक चौथाई छोटी चम्मच, अदरक-एक इंच लम्बा टुकड़ा बारीक कटा, चिल्ली सास-2 छोटी चम्मच, सोया सास-2 छोटी चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच।

बनाने की विधि: एक बर्तन पानी लें, 1 छोटी चम्मच नमक, एक छोटी चम्मच तेल डाले पानी में डालें, पानी जब अच्छे से उबाल जाये तब नूडल्स को तोड़ कर पानी में डालें 8-10 मिनट तक इन्हें उबाल नूडल्स को नरम होने के बाद छान लें, फिर ठंडा पानी डाल कर धो लें। एक कड़ाई में मक्खन गर्म करें, अब अदरक, गाजर, शिमला मिर्च और पत्ता गोभी डाल कर चलाते हुए 2 मिनट पकाएं, फिर नूडल्स, नमक, सोया सास, काली मिर्च, चिखे सास और सिरका डाल कर तेज आंच पर लगातार चलाते हुए 2 मिनट तक अच्छे से मिला लें और पकाएं। इसे गर्मा-गर्मा परोसें और अपनी पसंद की सोंस के साथ खाएं। वेज नूडल्स तैयार है।



कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियां से दीसिमान यह शहर रात में किसी परीलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दंगराई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक छोटा सा बाजार भी है जो सड़क की ढलान पर स्थित है।

चंडीगढ़ से शिमला जाने वाली सड़क की आधी दूरी पर स्थित है, खूबसूरत हिल स्टेशन-कसौली। कालका से करीब 20 किमी ऊपर पहाड़ी की ओर सड़क पर मोड़ है और यहीं इस मोड़ के दूसरी ओर से आता पहाड़ की पहली हवा का झोंका यात्रियों को संतुष्टिपूर्ण कर देता है। प्रकृति की अनुपम छटा को देखकर पर्यटक अभिभूत हो जाता है। यह मधुर हवा का झोंका कहीं ओर से नहीं बल्कि पर्वतीय स्थल कसौली की तरफ से आ रहा होता है। उसी मोड़ पर नैरोगेज की रेलवे क्रॉसिंग है जो कई बार बंद मिलती है। नैरोगेज की यह रेल की पटरियां पहाड़ के चारों ओर बिखरी पड़ी हैं और उस पर दूर से ही रंगती हुई दिखावाई पड़ती है। लाल, पीले, नीले और सफेद डिब्बे वाली रेलगाड़ी के जिसे 'ट्रॉय देन' के नाम से पुकारा जाता है, आपको यहां पर दौड़ते हुए दिखाई पड़ेंगे। बस के अलावा इस 'ट्रॉय देन' से धर्मपूर तक जाया जा सकता है जोकि कसौली का सबसे ही नजदीकी रेलवे स्टेशन है। फिर यहां से किसी भी बस द्वारा कसौली पहुंचा जा सकता है और जो पर्यटक पैदल जाना चाहते हैं वे सड़क मार्ग से करीब तीन घंटे में कालका से कसौली पहुंच सकते हैं। वैसे पैदल जाने का

अपना ही मजा है। पूरे रास्ते में चीड़ के पेड़ों की कतार है और पथियों का कलरव आपका मन बहलाता रहता है। कसौली समुद्र तल से 1927 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो शिमला से मात्र 280 मीटर कम है। अतः यहां की जलवायु शिमला जैसी ही है। परंतु यहां शिमला जैसा बड़ा बाजार, भीड़-भाड़, दुकानदारां की लुट और महंगाई नहीं है। जो लोग रोज की भागदौड़ की जिंदगी से ऊबकर कुछ दिन आराम करना चाहते हैं, उनके लिए कसौली एक आदर्श जगह है। यहां संगठित क्रियाकलाप का पूर्णतया अभाव है। इसलिए ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो। शांति ही यहां की खासियत है। कुछ दिनों तक दुख-दर्द और तकलीफ को भुलाकर केवल आराम करने के लिए इससे अच्छी जगह नहीं हो सकती। कसौली की दो प्रमुख सड़कें हैं- अपर माल और लोअर माला। इन सड़कों के दोनों किनारों पर चीड़, ओक और देवदार के वृक्षों से ढिरे मकान हैं। पुराने फैशन के ये हवादार मकान या तो सेना के अधिकारियों के हैं या फिर लम्बे समय से रह रहे वहां के निवासियों के। इस क्षेत्र में वाहन के आने का समय निर्धारित है जिसके कारण अन्य समय में पर्यटक स्वच्छंद रूप से वादियों का लुफ्त उठाते रहते हैं।

कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियां से दीसिमान यह शहर रात में किसी परीलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दंगराई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित

चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं है प्रलेक वर्ष, अक्टूबर माह के प्रथम चार दिनों में कसौली में मेले जैसी हलचल नजर आती है क्योंकि इस समय सनावर में स्कूल का

स्थापना दिवस मनाया जाता है। यहां बच्चों के माता-पिता कोने-कोने से आते हैं। मानसून दिनों में वर्षा की बौछार पड़ते ही कसौली की हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं है कि नुहासे का साम्राज्य हो जाता है और पर्यटक उसमें घूमने निकल पड़ते हैं। रास्ते में जाह-जगह भुट्टे पकाने वाले भुट्टे बेचते हुए मिलते हैं



पसीने की दुर्गंध को कैसे भगाएं



आप नींबू के छिलकों को अपने शरीर के उस स्थान पर रगड़ें जहां सर्वाधिक पसीना आता है। कुछ देर बाद नहा लें। इससे आपके शरीर से बदबू नहीं आएगी।

ग्रीन टी : नींबू की तरह ही एंटीऑक्सिडेंट युक्त ग्रीन टी भी शरीर की गंध को काफी हद तक कम करने का काम करती है। दअसल,

ग्रीन टी आपको बाँझी को डिटाक्सीफाई करने का काम करती है और जब आपके शरीर में से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं तो शरीर में से आने वाली गंध भी काफी हद तक कम हो जाती है।

टमाटर : टमाटर एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपके भोजन के स्वाद को बढ़ाता है। साथ ही यह शरीर की दुर्गंध को कम करने का भी काम करता है। दरअसल, इसमें प्राकृतिक जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं और यही गुण शरीर में बैक्टीरिया को पनपने से रोकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप टमाटर के रस का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर का तापमान कम होता है और आपको पसीना भी काफी कम मात्रा में आता है। आप इसे सलाद के रूप में खाने या फिर जूस पीने के अतिरिक्त बाँझी पर लगा भी सकते हैं। इसके लिए आप नहाने से करीबन आधा घंटा पहले इसका पल्प या रस अपने शरीर पर लगा लें और कुछ देर लगाने के बाद नहा लें। इससे आपको पसीना भी कम आएगा और कुछ ही दिनों में आपकी स्किन भी दमकने लगेगी।

देखने लायक है कसौली की प्राकृतिक छटा

कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियां से दीसिमान यह शहर रात में किसी परीलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दंगराई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक छोटा सा बाजार भी है जो सड़क की ढलान पर स्थित है।

कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियां से दीसिमान यह शहर रात में किसी परीलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दंगराई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित

चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं है प्रलेक वर्ष, अक्टूबर माह के प्रथम चार दिनों में कसौली में मेले जैसी हलचल नजर आती है क्योंकि इस समय सनावर में स्कूल का

स्थापना दिवस मनाया जाता है। यहां बच्चों के माता-पिता कोने-कोने से आते हैं। मानसून दिनों में वर्षा की बौछार पड़ते ही कसौली की हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं है कि नुहासे का साम्राज्य हो जाता है और पर्यटक उसमें घूमने निकल पड़ते हैं। रास्ते में जाह-जगह भुट्टे पकाने वाले भुट्टे बेचते हुए मिलते हैं

कसौली क्लब तथा प्राइवेट होटलों के अलावा हिमाचल पर्यटक विभाग ने भी यहां एक होटल बनवाया है जहां पर्यटकों की भीड़ हमेशा लोगों का ध्यान आकृष्ट किये रहती है। सर्दियों के मौसम में होटल के बाहर भी लंच परोसा जाता है जिसे लोग वादियों का नजारा लेते हुए आपस में हिलमिलकर बड़े चाव से खाते हैं।

निर्धारित समयावधि पूर्ण होने के बावजूद कई हितग्राहियों द्वारा अब तक आवास की शेष राशि जमा नहीं की गई है

प्रधानमंत्री आवास की बकाया राशि जमा करने हितग्राहियों को डोर-टू-डोर सूचना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत मकानविहीन एवं किराये के मकानों में निवासरत परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस के तहत पके आवास उपलब्ध कराए गए हैं। शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार आवास आवंटित होने के पश्चात हितग्राहियों को आवास की शेष राशि जमा करने के लिए 9 माह की समयावधि प्रदान की गई थी। निर्धारित समयावधि पूर्ण होने के बावजूद कई हितग्राहियों द्वारा अब तक आवास की शेष राशि जमा नहीं की गई है।

नगर पालिक निगम द्वारा ऐसे हितग्राहियों को बकाया राशि जमा करने के लिए सूचना देने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निगम की टीम द्वारा संबंधित हितग्राहियों के घरों



में डोर-टू-डोर पहुंचकर सूचना पत्र प्रदान किया जा रहा है। सूचना पत्र के माध्यम से हितग्राहियों को आवास की शेष राशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जमा करने के संबंध में अवगत कराया जा रहा है। वहीं जिन हितग्राहियों के आवास बंद पाए जा रहे हैं, उनके मकान के दरवाजे पर ही सूचना पत्र चस्पा किया जा रहा है, ताकि संबंधित हितग्राही तब तक बकाया राशि जमा करने संबंधी सूचना पहुंच सकें। निगम द्वारा हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे अपने आवास की शेष राशि समय पर जमा कर योजना से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करें। नगर निगम की टीम द्वारा क्षेत्रवार ऐसे आवासों का निरीक्षण कर हितग्राहियों को सूचना देने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

राज्य स्तरीय सर्व धर्म प्रार्थना सभा में 200 स्काउट्स गाइड्स ने की सहभागिता

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय रायपुर द्वारा राष्ट्रीय महत्वा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादूर शास्त्री जयंती पर स्व. बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में राज्य

स्तरीय सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ गजेन्द्र यादव और अध्यक्षता राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने की। आयोजन राज्य मुख्य आयुक्त इंंदरजीत सिंह खलसा के मार्गदर्शन

में हुआ। राजनांदगांव जिले से राज्य उपाध्यक्ष राजेंद्र गोलच, जिला अध्यक्ष उमेश हथेल, जिला मुख्य आयुक्त मेहेश खंडेलवाल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास कुमार सिंह बघेल के मार्गदर्शन में 200 स्काउट, गाइड, रोवर, रंजर, स्काउटर और गाइडर ने सहभागिता की। इस दौरान जिला संगठन

आयुक्त स्काउट मयूख श्रीवास्तव, गाइड भारती राजक, जिला प्रशिक्षण आयुक्त राखी रामटेके, रामलाल चंद्रवंशी, शिरीन कोसर, विजय बघेल, सरिता साहू, ललित कोसारी, सुरेश साहू, लोकेश्वरी भंडारी, फलक परजना सहित विभिन्न शालाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

आईजी रामगोपाल गर्ग ने किया जांजगीर पुलिस का वार्षिक निरीक्षण, बेहतर पुलिसिंग और संवेदनशील व्यवहार पर दिया जोर

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रंज रामगोपाल गर्ग ने आज जिला जांजगीर-चांपा पुलिस लाइन और एसपी कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत परेड की सलामी और टर्नआउट चेक से हुई, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। परेड के बाद पुलिस दरबार लगाया गया, जहां आईजी ने जवानों की समझौता सुनीं और थानों में आने वाले पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार और चरित निराकरण के निर्देश दिए। जुआ, सट्टा और अवैध शराब पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

आईजी ने रक्षित केंद्र को वाहन, स्टोर और आर्य समाज का निरीक्षण किया और एसपी कार्यालय में सेवा पुस्तिका, अनुकंपा निष्पत्ति, पैनल, बचट और लैबल प्रकरणों की समीक्षा की पुलिस लाइन में नवीनमित्त पुलिस जिम और जीपीआर किए गए यातायात शाखा भवन का उद्घाटन किया गया। निरीक्षण के बाद आईजी ने अनिवार्य भर्ती की तैयारी कर रहे



युवाओं से मिलकर हौसला बढ़ाया और मेहनत, अनुशासन और पॉजिटिव खान-पान को सलाह दी। राहवारी का सम्मान झूम पोस्ट होटल में आयोजित कार्यक्रम में जिले के राहवारी, सड़क सुरक्षा मितान, पुलिस बूथ मितान और महिला कमांडो को सम्मानित किया गया। आईजी ने बताया कि राहवारी योजना के तहत सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिक को 25,000 रुपये तक प्रोत्साहन राशि दी जाती है और उसे कानूनी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। साइबर सुरक्षा को लेकर डिजिटल अवेयरनेस, ऑनलाइन टापी और अनजान लिंक से सावधान रहने और डकठ शेयर करने की अपील की। बाद में थाना चांपा का निरीक्षण कर थाना प्रभारी को सामुदायिक पुलिसिंग, पुराने संविधान मामलों के निराकरण और अत्याचारों के तत्वां पर निगरानी के सख्त निर्देश दिए।

BJP के वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख का WhatsApp हैक, शादी के कार्ड के नाम पर भेजी जा रही APK फाइल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख का WhatsApp अकाउंट हैक हो गया है। खूबचंद पारख ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा करते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

जानकारी के मुताबिक उनके WhatsApp अकाउंट ने उन्हें सभी संपर्कों को शादी के निमंत्रण कार्ड के नाम पर एक APK फाइल भेजी जा रही है। साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार यह साइबर ठगी का नया तरीका है। जैसे ही यूजर शादी का

कार्ड समझकर APK फाइल पर क्लिक कर उसे इंस्टॉल करता है, हैकर्स के द्वारा बनाया गया संदिग्ध ऐप मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। इससे मोबाइल का पूरा डेटा, बैंकिंग डिटेल्स, OTP, फोटो और निजी चैट हैकर्स तक पहुंच सकती है।

अपील - शादी का कार्ड समझकर डाउनलोड न करें खूबचंद पारख ने लोगों से अपील की है कि उनके नंबर से यदि शादी के निमंत्रण या अन्य किसी बहाने से अहद फाइल प्राप्त होती है तो उसे डाउनलोड या इंस्टॉल बिल्कुल न करें और न ही उसे आगे किसी अन्य व्यक्ति को फॉरवर्ड करें। तुरंत डिलीट कर दें।

संपर्कों में हैकपैक

WhatsApp हैक होने की खबर के बाद उनके संपर्कों में रहने वाले कार्यकर्ताओं और लोगों के बीच चिंता की स्थिति है। कई लोगों ने बताया कि उन्हें भी एक नंबर से फाइल प्राप्त हुई है।

साइबर सुरक्षा पर सवाल एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता का WhatsApp हैक होने से साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। लोगों ने पुलिस और साइबर सेल से तत्काल कार्रवाई कर हैकिंग के स्रोत को पता लगाने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

थाया बालोद क्षेत्र के सिंचाई कॉलोनी में युवती

पर एसिड फेंकने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने 8 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि हमले की साजिश पीड़िता के कथित प्रेमी ने ही करी थी।

पुलिस के अनुसार पीड़ित युवती रोज की तरह लाइव्रेरी से घर लौट रही थी, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर एसिड फेंक दिया और तौंदुला डैम की ओर भाग गया। चीख सुनकर पड़ोसी बाहर आए और परिजनों को सूचना देकर युवती को जिला अस्पताल बालोद पहुंचाया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन और एसपी चंद्रकांत गर्वना के मार्गदर्शन में एसडीओपी विनय साहू के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की



गई। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और शहर के अलग-अलग सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी सहाय्य के आधार पर पुलिस ने पीड़िता के कथित प्रेमी यश कुमार सोनकर, निवासी कुरुपुरा बालोद को हिरासत में लिया। पहले वह पुलिस को मनागूत कहानियां सुनाकर गुमराह करता रहा, लेकिन कड़ाई से

पूछताछ में उसने प्रेम संबंध स्वीकार किया और बताया कि युवती द्वारा शादी से इनकार करने पर उसने अपने स्कूल फ्रेंड करण कुंजाम निवासी भैरमगढ़ बीजापुर के साथ तीन महीने पहले ही एसिड अटैक की योजना बनाई थी। आरोपियों ने 26 सितंबर को बालोद में मिलकर एसिड खरीदा और 27 सितंबर को

गणेश झांकी के दौरान वारदात की योजना बनाई, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने से टाल दिया। इसके बाद 5 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे यश के कहने पर करण ने युवती पर एसिड फेंका और तौंदुला बांध की ओर भाग गया। वहां से लिफ्ट लेकर झलमला, मरकाटोला होते हुए चालमा पहुंचा था। पुलिस ने यश के निशानदेही पर करण कुंजाम को को डोंगावां से हिरासत में लिया। दोनों ने घटना में प्रयुक्त एसिड और कपड़ों की जानकारी दी है, जिसे जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी - 1. यश कुमार सोनकर पिता ईश्वर लाल सोनकर उम्र 20 वर्ष वाई नं. 11 ग्राम नेवारिकला जिला बालोद और 2. करण कुंजाम पिता दिनेश कुंजाम उम्र 20 वर्ष वाई नं. 15 भैरमगढ़ जिला बीजापुर हैं। दोनों पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आईपीएल पोटोश की 60 बोरी जप्त, लैब टेस्ट में खुली पोल - 60% के बजाय निकला सिर्फ 3% पोटोश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में नकली खाद के बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने डोंगरगांव क्षेत्र में आईपीएल पोटोश की 60 बोरियां जप्त की हैं। प्रयोगशाला परीक्षण में खाद अमानक पाई गई है।

17 सितंबर 2026 को छुरिया विकासखंड के ग्राम बरहनी चारभाठा निवासी राजेन्द्र मिश्रा द्वारा आईपीएल पोटोश को जिले में लाकर बेचने की सूचना मिली थी। मौके पर टीम ने दस्तावेज, बिल और चालान मांगा, लेकिन आरोपी वैध कागजात नहीं दिखा पाया। इस पर 60 बोरी खाद जप्त कर नमूना लानाओं रायपुर



स्थित उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला भेजा गया। लैब रिपोर्ट में निर्धारित 60 प्रतिशत पोटोश के स्थान पर मात्र 3 प्रतिशत पोटोश पाया गया। इस आधार पर नमूने को अमानक घोषित किया गया है।

प्रारंभिक पुछताछ में आरोपी ने खाद कबीरधाम जिले से लाना बताया। कबीरधाम की टीम से समन्वय कर सत्यापन कराया गया तो वहां भी खाद के विक्रय और भंडारण की वैध अनुमति नहीं मिली। खाद को अन्य स्थान से लाने की विभिन्न जगहों पर सप्लाई किए जाने की बात सामने आई है। विभाग ने प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और संबंधित थाने को सूचना देकर सलाई चैन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच शुरू की है।

महागणपति डेडलपर्स पर 8 लाख का जुर्माना

रायपुर। विना रेरा पंजीयन के प्लॉट बेचने के मामले में छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की है। महागणपति डेडलपर्स, रायपुर पर 8 लाख रुपये का अथर्बड लगाया गया है और परियोजना को भी पंजीकृत कराने के निर्देश दिए हैं। जांच में सामने आया कि डेडलपर्स द्वारा एक प्लॉट डेड ले-आउट परियोजना विकसित कर भूखंडों का विक्रय किया जा रहा था, जबकि उसका पर्याप्त पंजीयन नहीं कराया गया था। भू-संपदा अधिनियम 2016 की धारा 3 के अनुसार पंजीयन योग्य परियोजना का पंजीयन कराया बिना विज्ञापन, विपणन, बुकिंग या विक्रय नहीं किया जा सकता। मामले को CGRERA ने स्वरेपरा से संजले लेकर प्रकरण दर्ज किया था। सुनवाई और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद इसे धारा 3 का उल्लंघन माना गया।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

मिलाई मैं सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

• Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
• One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना पलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

posts, message

Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order

Followed by _s_andeep

Follow Message

Order Now:

@baked.by.suhani
MO.6263734520